अध्याय–6

तलपट एवम् अशुद्धियों का सुधार

(Trial Balance and Rectification of Errors)

सीखने के उद्धेश्य (Learning Objective)

इस अध्याय का अध्ययन करने के पश्चात् आप जान सकेगें कि –

तलपट क्या है तथा क्यो बनाया जाता है ।
तलपट कितने प्रकार से बनाया जा सकता है ।
लेखा पुस्तकों में पायी जाने वाली अशुद्धियां कौन कौनसी है ।
अशुद्धियों का पता किस प्रकार लगाया जाता है ।
ऐसी कौन कौनसी अशुद्धियां है जो तलपट के मिलान को प्रभावित करती है ।
ऐसी कौन कौनसी अशुद्धियां है जो तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती है ।
उचंती खाता क्या है तथा तलपट को मिलाने में इसकी क्या भूमिका है ।
विभिन्न प्रकार की अशुद्धियों को बिना उंचती खाते की सहायता के किस प्रकार सुधारा जा सकता है ।
विभिन्न प्रकार की अशुद्धियों को उंचती खाते की सहायता के किस प्रकार सुधारा जा सकता है ।

लेखांकन की आधारभूत अवधारणाओं में से एक द्विपक्षीय अवधारणा यह बतलाती हैं कि प्रत्येक व्यवहार के दो पक्ष होते हैं – जमा पक्ष तथा नाम पक्ष । प्रत्येक व्यवहार दोनों पक्षों को समान राशि से प्रभावित करता हैं । इससे स्पष्ट है कि यदि सभी व्यवहारों की नाम पक्ष की राशियों की योग के बराबर जमा पक्ष की राशियां होती है तो इसका यह आशय होता है कि लेखांकन में कोई गणितीय अशुद्धि नही हुई हैं । इस अध्याय के प्रथम भाग में तलपट का अर्थ तथा उसे बनाने की विधियों का वर्णन किया जायेगा । इस अध्याय के दूसरे भाग में यह बताया जायेगा कि तलपट का मिलान हो जाने के पश्चात् भी लेखों में कौन कौनसी अशुद्धियां विद्यमान रह जाती है तथा उनका सुधार किस प्रकार होता हैं ।

तलपट का अर्थ (Meaning of Trial Balance):

व्यापार में होने वाले समस्त व्यवहारों को सर्वप्रथम प्रारंभिक लेखे की बहियों में लिखा जाता हैं । लेखन कार्य के पश्चात् उन व्यवहारों की खाता बही में खतौनी की जाती हैं । व्यवहारों के लेखांकन, उनकी खतौनी, खातों के योग लगाने तथा शेष निकालने में कोई गणितीय अशुद्धि न रह जाय, इस बात की पुष्टि करने के लिए जो तालिका या सूची बनाई जाती है उसे तलपट कहते है । यदि तलपट के नाम तथा जमा पक्ष के योग बराबर आ जाते हैं तो व्यापारी इतना आश्वस्त हो सकता है कि उसकी बहियों में किसी तरह की गणितीय अशुद्धि नही रही हैं, अर्थात् जितनी राशि नाम पक्ष में लिखी गई उतनी ही जमा पक्ष में भी लिखी जा चुकी है। तलपट का मिल जाना इस बात का द्योतक नहीं है कि प्रारम्भिक लेखों की बहियों तथा खाताबही में कहीं भी अशुद्धियॉ नहीं है । व्यापारी द्वारा तलपट का निर्माण उसकी आवश्यकता के अनुसार मासिक, त्रैमासिक, अर्द्ध वार्षिक या वार्षिक आधार पर भी किया जा सकता हैं । बैंकों द्वारा तो दैनिक तलपट बनाया जाता है जिसे शेष बही कहते हैं । सामान्यतया अन्तिम खाते बनाने के उद्देश्य से वर्ष के अन्त में तलपट बनाया जाता हैं । यह अन्तिम खाते बनाने के लिए आधार के रूप में प्रयुक्त होता हैं।

परिभाषाए (Definitions) :

"तलपट खाता बही के खातों से निकाले गये नाम व जमा शेषों की सूची है तथा इनमें रोकड बही के रोकड़ तथा बैंक शेषों को भी शामिल किया जाता है ।"
– **कार्टर**

"लेखा अवधि के अन्त में (या किसी भी तिथि को) खाता बही में खुले हुए खातों के शेष निकालकर, विभिन्न जर्नलों की जाँच करने के लिए बनाई गई सूची तलपट है जिससे यह पता लगाया जा सके कि नाम तथा जमा के योग बराबर है।"
– **पिकिल्स**

"एक निश्चित तिथि को प्रत्येक व्यवहार का दोहरा लेखा हो जाता है तब उनके शेषों की सूची बनायी जाती हैं । इसी सूची को तलपट कहा जाता हैं।"
–स्पाइसर एण्ड पैगलर

विशेषताएँ (Characteristics) :–

1. यह एक सूची या विवरण पत्र है ।
2. इसमें खातों के योग या शेष लिखे जाते हैं ।
3. समस्त खातों में लेखांकन पूर्ण हो जाने के पश्चात् ही इसे बनाया जाता हैं ।
4. इससे जर्नल तथा खाता बही में खुले खातों की गणितीय शुद्धता की जाँच होती हैं ।
5. यह अन्तिम खाते बनाने के लिए आधार है ।
6. इसे खाता बही तथा रोकड बहियों की सहायता से तैयार किया जाता है ।
7. इसमें सभी प्रकार के खातों (व्यक्तिगत, वास्तविक एवं अवास्तविक) का समावेष होता है ।
8. देनदारों व लेनदारों की संख्या अधिक होने पर इनकी अलग सूचियँा बनाकर उनके योग को ही तलपट में विविध देनदारों तथा विविध लेनदारों के नाम से लिखा जाता हैं ।

उद्देश्य, उपयोगिता एवं महत्व (Objects, Utility and Importance)

1. **गणितीय शुद्धता की जाँच (Checking of mathematical Accurateness)** : तलपट का मिलना इस बात को सिद्ध कर देता है कि जितनी राशि से खाते नाम हुए है ठीक उतनी ही राशि अन्य खातों में जमा भी की गई है तथा बहियों में कोई गणितीय अशुद्धि नहीं है। इसका अर्थ यह कभी नहीं होगा कि बहियों में किसी प्रकार की अशुद्धि नहीं हैं। तलपट का मिलान हो जाने के पश्चात् भी बहियों में कई अशुद्धियां रह जाती है । इनका विस्तृत वर्णन इसी अध्याय में आगे के पृष्ठों में किया गया है ।

2. **अन्तिम खातों का आधार (Basis of Final Accounts)** :– इसके बन जाने से अन्तिम खाते बनाने के लिए खाताबही के प्रत्येक खाते को नहीं देखना पडता है । इससे समय एवं श्रम की बचत होती है। कोई खाता छूट नहीं सकता। परिणाम स्वरूप अन्तिम खाते व्यापार की सही आर्थिक स्थिति तथा सही लाभ या हानि की स्थिति प्रदर्षित करेंगे।

3. **खातों का सारांश (Summary of Accounts)** :– तलपट में केवल खातों के योग या शेष ही दिखाये जाते है। इनका विस्तृत विवरण खाते में ही होता है । व्यापारी द्वारा विभिन्न ग्राहकों से प्राप्य तथा विभिन्न लेनदारो को देय राशि का कम समय में आसानी से पता लगाया जा सकता है ।

तलपट का प्रारूप (Form of Trial Balance):

Trial Balance of……………..
as on …………………

Sl.No.	Name of ledger Account	L.F.	Amount (In ₹)	
			Debit	Credit

सर्वप्रथम उस फर्म का नाम लिखा जाता है जिसका यह तलपट है । शीर्षक के साथ वह तिथि लिखनी आवश्यक होती है जिस तिथि तक का तलपट बनाया जाता है । इसमें क्रम संख्या, प्रत्येक प्रकार के खाते का नाम, यह खाता खाताबही के कौन से पृष्ठ पर खुला है तथा उस खाते के शेष की राशि नाम या जमा के खाने में लिख दी जाती है ।

तलपट बनाने की विधियाँ (Methods of Preparing Trial Balance) :

तलपट बनाने की तीन प्रमुख विधियाँ हैं –

1- खातों के योग द्वारा या योग विधि (By Totals of Accounts or Total Method)
2- खातों के शेष द्वारा या शेष विधि (By Balance of Accounts or Balancing Method)
3- खातों के योगों एवं शेषों द्वारा (By Totals of Accounts and Balance of Accounts Method)

1. खातों के योगों द्वारा तलपट बनाना या योग विधि : इस विधि में खाता बही में खुले हुए सभी खातों के नाम पक्ष तथा जमा पक्ष के योग लगाये जाते हैं । तलपट बनाते समय उन खातों का नाम तलपट में लिखकर नाम पक्ष का योग नाम के खाने में तथा जमा पक्ष का योग जमा के खाने में लिख दिया जाता है। जिन खातों का दोनों पक्षों का योग समान है उन्हें भी तलपट में लिखा जाता है । इसके पश्चात् तलपट का योग किया जाता है। नाम तथा जमा पक्ष के खातों की राशियों के योग बराबर होते हैं तो इसका यही अर्थ लगाया जाता है कि पुस्तकों में गणितीय अशुद्धि नही है।

यह विधि सरल होने के साथ–साथ इसमें समय ओर श्रम की बचत होती है क्योंकि खातों के शेष नही निकालने पड़ते हैं । इस विधि की मुख्य कमी यह है कि ऐसे तलपट से अन्तिम खाते बनाना कठिन होता है । अन्तिम खाते बनाने से पूर्व खाते के शेष निकालने आवश्यक होते हैं ।

2. खातों के शेषों द्वारा तलपट बनाना या शेष विधि : इस विधि से तलपट बनाने के लिए प्रत्येक खाते का शेष ज्ञात किया जाता है । किसी खाते के नाम पक्ष का योग जमा पक्ष के योग से अधिक है तो नाम पक्ष के योग में से जमा पक्ष का योग घटाकर बची हुई राशि तलपट के नाम पक्ष में लिख दी जायेगी । इसी प्रकार जमा पक्ष का योग नाम पक्ष के योग से अधिक होने पर अन्तर को तलपट के जमा पक्ष में लिखा जायेगा। इस विधि में ऐसे खातों को तलपट में नहीं लिखा जायेगा जिनके दोनो पक्षों के योग बराबर है ।

इस विधि से बने तलपट के माध्यम से अन्तिम खाते बनाने में सुगमता रहती है । ऐसे खातों को तलपट में शामिल नहीं किया जाता जिनके शेष न हो । इससे तलपट का आकार अनावश्यक रूप से नहीं बढता है और लेखाकार के समय एवं श्रम की बचत होती हैं । इस विधि से तलपट बनाने पर लेखाकार को शेष निकालते समय सावधानी रखनी चाहिये ताकि गलती न हो ।

उदाहरण (Illustration): 1 निम्नलिखित खातों की सहायता से योग विधि से तलपट बनाइये (From the following accounts prepare Trial Balance by Total Method) :

Capital Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
				By Cash A/c	**1,00,000**

Machinery Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Ram's A/c	**20,000**			
	To Cash A/c	**5,000**			

Ram's Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
				By Machinery A/c	20,000

Drawings Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Cash A/c	5,000			
	To Purchases A/c	10,000			

Mohan's Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Sales A/c	20,000		By Cash A/c	15,000
	To Sales A/c	10,000		By B/R A/c	10,000

Hari's Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Sales A/c	15,000		By Sales Return A/c	1,000
				By Discount A/c	1,500
				By Cash A/c	10,000

Discount Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Hari's A/c	1,500		By Navab Ali's A/c	2,500

Sales Return Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Hari's A/c	1,000			

Navab Ali's Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Purchases Return A/c	11,000		By Purchases A/c	25,000
	To Cash A/c	5,000			
	To Discount A/c	2,500			

Purchases Return Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
				By Navab Ali's A/c	11,000

Wages Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Cash A/c	8,000			

Rent Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Cash A/c	12,000			

Salaries Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Cash A/c	6,000			

Sales Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
				By Hari's A/c	15,000
				By Mohan's A/c	20,000
				By Cash A/c	30,000
				By Mohan's A/c	10,000

Loss by Fire Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Purchases A/c	3,000			

Purchases Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Cash A/c	40,000		By Drawings A/c	10,000
	To Navab Ali's A/c	25,000		By Loss by Fire A/c	3,000
	To Cash A/c	30,000			

Cash Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Capital A/c	1,00,000		By Machinery A/c	5,000
	To Mohan's A/c	15,000		By Drawings A/c	5,000
	To Hari's A/c	10,000		By Navab Ali's A/c	5,000
	To Sales A/c	30,000		By Wages A/c	8,000
				By Rent A/c	12,000
				By Salaries A/c	6,000
				By Purchases A/c	40,000
				By Purchases A/c	30,000

Bills Receivable Account

Dr. **Cr.**

		₹			₹
	To Mohan's A/c	10,000			

हल (Solution): **Trial Balance as on ---------------------**

Sl.No.	Name of Account	L.F.	Amount (in ₹)	
			Debit	Credit
1.	Capital A/c		-	1,00,000
2.	Machinery A/c		25,000	-
3.	Ram's A/c		-	20,000
4.	Drawings A/c		15,000	-
5.	Mohan's A/c		30,000	25,000
6.	Hari's A/c		15,000	12,500
7.	Discount A/c		1,500	2,500
8.	Sales Return A/c		1,000	-
9.	Navab Ali's A/c		18,500	25,000
10.	Purchases Return A/c		-	11,000
11	Wages A/c		8,000	-
12	Rent A/c		12,000	-
13	Salaries A/c		6,000	-
14	Sales A/c		-	75,000
15	Loss by Fire A/c		3,000	-
16	Purchases A/c		95,000	13,000
17	Cash A/c		1,55,000	1,11,000
18	Bills Receivable A/c		10,000	-
	Total		3,95,000	3,95,000

उदाहरण (Illustration) 2 : उदाहरण संख्या 1 को शेष विधि से हल कीजिये (Form the Example 1 Prepare a Trial Balance by Balance Method):

हल (Solution) :

Trial Balance as on -----------------

Sl.No.	Name of Account	L.F.	Amount (in ₹)	
			Debit	Credit
1.	Capital A/c		-	1,00,000
2.	Machinery A/c		25,000	-
3.	Ram's A/c		-	20,000
4.	Drawings A/c		15,000	-
5.	Mohan's A/c		5,000	-
6.	Hari's A/c		2,500	-
7.	Discount A/c		-	1,000
8.	Sales Return A/c		1,000	-
9.	Navab Ali's A/c		-	6,500
10.	Purchases Return A/c		-	11,000
11	Wages A/c		8,000	-
12	Rent A/c		12,000	-
13	Salaries A/c		6,000	-
14	Sales A/c		-	75,000
15	Loss by Fire A/c		3,000	-
16	Purchases A/c		82,000	-
17	Cash A/c		44,000	-
18	Bills Receivable A/c		10,000	-
	Total		2,13,500	2,13,500

(3) खातों के योगों एवं शेषों द्वारा विधि : योग विधि और शेष विधि दोनों के सम्मलित रूप से भी तलपट बनाया जा सकता है । ऐसी स्थिति में तलपट में राशि के चार खाने बनाये जाते है । प्रथम दो खाने योग विधि के अनुसार नाम तथा जमा के होते हैं तथा शेष दो खाने शेष विधि के अनुसार नाम तथ जमा के शेष प्रदर्शित करने के लिए होते है । यदि ऐसा तलपट बनाया जाय तो अन्तिम खाते तो आसानी से बनाये जा सकते है परन्तु लेखाकार के समय एवं श्रम की बर्बादी होती हैं ।

यदि खाताबही में देनदारों तथा लेनदारों की संख्या अधिक हो तथा उन्हें यदि तलपट में लिखा जाय तो तलपट का आकार अत्यधिक बढ जाता है तथा गलती होने की संभावना भी अधिक रहती हैं । इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लेखाकार देनदारों तथा लेनदारों की अलग–अलग सूचियाँ बना लेता है और केवल उनकी जोड़ें ही तलपट में कुल देनदार खाता तथा कुल लेनदार खाता के नाम से दिखायी जाती है जो उचित भी है ।

उदाहरण (Illustration) 3 : उदाहरण संख्या 1 में दिये गये खातों के योगों तथा शेषों की सहायता से तलपट बनाइये (Prepare a Trial Balance from Total and Balances of Ledger Accounts given in Illustration 1):

हल (Solution) :

Trial Balance as on ----------------

Sl.No.	Name of Account	LF	Total Method		Balance Method	
			Debit ₹	Credit ₹	Debit ₹	Credit ₹
1	Capital A/c		-	1,00,000	-	1,00,000
2	Machinery A/c		25,000	-	25,000	-
3	Ram's A/c		-	20,000	-	20,000
4	Drawings A/c		15,000	-	15,000	-
5	Mohan's A/c		30,000	25,000	5,000	-
6	Hari's A/c		15,000	12,500	2,500	-
7	Discount A/c		1,500	2,500	-	1,000
8	Sales Return A/c		1,000	-	1,000	-
9	Navab Ali's A/c		18,500	25,000	-	6,500
10	Purchases Return A/c		-	11,000	-	11,000
11	Wages A/c		8,000	-	8,000	-
12	Rent A/c		12,000	-	12,000	-
13	Salaries A/c		6,000	-	6,000	-
14	Sales A/c		-	75,000	-	75,000
15	Loss by Fire A/c		3,000	-	3,000	-
16	Purchases A/c		95,000	13,000	82,000	-
17	Cash A/c		1,55,000	1,11,000	44,000	-
18	Bills Receivable A/c		10,000	-	10,000	-
	Total		3,95,000	3,95,000	2,13,500	2,13,500

खातों की पहचान करके तलपट बनाना (Preparation of trial balance after recognition of Accounts) : यदि प्रश्न में खातों के शेषों के बारे में जानकारी न दी हो कि उनके नाम के शेष है या जमा के शेष, तो उनसे तलपट बनाते समय खातों की प्रकृति के आधार पर उन्हें नाम या जमा की तरफ लिखा जाता है। विभिन्न प्रकार के खातों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाता है –

1. व्यक्तिगत खाते, 2. वास्तविक खाते, 3. अवास्तविक खाते।

इनके शेषों के बारे में जानकारी प्राप्त करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखेंगे–

1. **व्यक्तिगत खाते** (Personal Accounts) : कुछ व्यक्तिगत खातों के नाम शेष होते है तथा कुछ के जमा के शेष होते हैं । जमा के शेष वाले खातों में पूँजी खाता, प्राप्त ऋण खाता, लेनदार खाते, बैंक अधिविकर्ष खाता तथा सम्पत्ति की पूर्तिकर्त्ताओं के खातों को शामिल किया जाता है । नाम के शेष वाले खातों में देनदारों के खाते, देय ऋण खाता, बैक खाता, आहरण खाता आदि को शामिल किया जाता हैं ।

2. **वास्तविक खाते** (Real Accounts) : इनमें सम्पत्तियों से सम्बन्धित खातों के "नाम" के शेष होते है जैसे भवन, मशीनरी, फर्नीचर, विनियोग, प्रारम्भिक रहतिया, एकस्व, व्यापारिक चिन्ह एवं ख्याति इत्यादि । इसी प्रकार माल से सम्बन्धित खातों में क्रय वापसी खाते का "जमा" का शेष होता है तथा क्रय खाते और विक्रय वापसी खाते का नाम का शेष होता है ।

3. **अवास्तविक खाते** (Nominal or Fictitious Accounts) :इन खातों के "जमा" एवं "नाम" दोनों प्रकार के शेष होते है। खातों की प्रकृति के अनुसार उन्हें "नाम" तथा "जमा" के खाने में लिखा जाता है । जैसे मजदूरी, वेतन, चुंगी, भाड़ा, किराया, छपाई, टेलीफोन व्यय, डाक तार व्यय आदि के "नाम" शेष होते है । इसी प्रकार किराया प्राप्त, कमीशन प्राप्त, बट्टा प्राप्त, ब्याज प्राप्त, लाभांश प्राप्त, विक्रय आदि खातों के "जमा"के शेष होते हैं अर्थात् व्यय खातों तथा हानियों के खातों के "नाम" शेष तथा आय तथा लाभ के खातों के "जमा" के शेष होते हैं । यदि प्रश्न में किसी खाते के नाम के आगे "जमा" या "नाम" लिखा हो तो उन्हें तलपट में उसी के अनुसार दर्शाया जाता है ।

नोट : विक्रय के शेष को अवास्तविक खातों में शामिल किया गया है क्योंकि जब तक माल नहीं बिकता वह रहतिये का हिस्सा होने से वास्तविक खाता होता है परन्तु उसके विक्रय हो जाने पर उसमें लाभ या हानि का हिस्सा शामिल हो जाता है और संस्था की आगम का हिस्सा बन जाता है ।

उदाहरण (Illustration) 4 : निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर तलपट तैयार कीजिये (Prepare Trial Balance from the following information):-

	₹		₹
पूँजी खाता (Capital A/c)	5,00,000	देनदार खाता (Debtors A/c)	2,20,000
आहरण खाता (Drawings A/c)	1,00,000	देय बिल खाता (B/P A/c)	35,000
क्रय खाता (Purchases A/c)	12,00,000	प्राप्य बिल खाता (B/R A/c)	1,65,000
विक्रय खाता (Sales A/c)	15,48,000	मशीनरी खाता (Machinery A/c)	2,25,000
क्रय वापसी खाता (Purchase Return A/c)	60,000	एकस्व खाता (Patents A/c)	40,000
विक्रय वापसी खाता (Sales Return A/c)	85,000	पशुधन खाता (Live Stock A/c)	28,000
		प्रारंभिक रहतिया खाता (Opening Stock A/c)	1,05,000
प्राप्त ऋण खाता (Loan Received A/c)	1,00,000	भूमि एवं भवन खाता (Land and Building A/c)	2,00,000
बैक अधिविकर्ष खाता (Bank Overdraft A/c)	1,50,000	रोकड़ खाता (Cash A/c)	1,000
		दान खाता (Charity A/c)	500
बैक खाता (Bank A/c)	20,000	आग से हानि खाता (Loss by Fire A/c)	5,500
लेनदार खाता (Creditors A/c)	1,60,000	विनियोगे के विक्रय पर लाभ खाता (Profit on Sale of Investments A/c)	60,000
मजदूरी खाता (Wages A/c)	1,50,000	मूल्यहास खाता (Depreciation A/c)	40,0000
प्राप्त किराया खाता (Rent Received A/c)	30,000	वेतन खाता (Salaries A/c)	25,000
बट्टा खाता (नाम) (Discount A/cDr.)	40,000	डूबत ऋण खाता (Bad Debts A/c)	5,000
		कमीशन खाता (जमा) (Commission A/cCr.)	12,000

हल (Solution) :

Trial Balance as on …..

Sl. No.	Name of Ledger Account	L.F.	Amount (₹)	
			Debit	Credit
1	Capital A/c		-	5,00,000
2	Drawings A/c		1,00,000	-
3	Purchases A/c		12,00,000	-
4	Sales A/c		-	15,48,000
5	Purchases Return A/c		-	60,000
6	Sales Return A/c		85,000	-
7	Loan Received A/c		-	1,00,000
8	Bank Overdraft A/c		-	1,50,000
9	Creditors A/c		-	1,60,000
10	Wages A/c		1,50,000	-
11	Rent Received A/c		-	30,000
12	Discount A/c(Dr.)		40,000	-
13	Bank A/c		20,000	-
14	Debtors A/c		2,20,000	-
15	Bills Payable A/c		-	35,000
16	Bills Receivable A/c		1,65,000	-

17	Machinery A/c		2,25,000	-
18	Patents A/c		40,000	-
19	Live Stock A/c		28,000	-
20	Opening Stock A/c		1,05,000	-
21	Land and Building A/c		2,00,000	-
22	Cash A/c		1,000	-
23	Charity A/c		500	-
24	Loss by Fire A/c		5,500	.-
25	Profit on Sale of Investments A/c		-	60,000
26	Depreciation A/c		40,000	-
27	Salaries A/c		25,000	-
28	Bad Debts A/c		5,000	-
29	Commission A/c		-	12,000
	Total		26,55,000	26,55,000

क्या तलपट का मिलान खाताबही की शुद्धता का अकाट्य प्रमाण है (Is the reconciliation of the trial balance, irrefutable proof of the accuracy of the ledger) :– तलपट का मिलान इस बात को स्पष्ट करता है कि लेखों में किसी तरह की गणितीय अशुद्धि नहीं है। जितनी राशि से व्यवहारों को 'नाम' किया गया है उतनी ही राशि से 'जमा' भी किया गया है। तलपट का मिलान इस बात को सिद्ध नहीं करता कि अब लेखों में किसी भी प्रकार की अशुद्धियां नहीं है । ऐसी कई अशुद्धियां है जो तलपट के मिल जाने के उपरान्त भी लेखों में रह जाती है। यदि लेखे शुद्ध नहीं है तो उनसे बनने वाले अन्तिम खाते शुद्ध नहीं हो सकते। अतः लाभ–हानि खाता सही व उचित लाभ की स्थिति तथा चिट्ठा व्यापार की सही आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित नहीं कर सकता है। भूल की अशुद्धि, सिद्धान्त की अशुद्धि, क्षतिपूरक अशुद्धि तथा कुछ हिसाब की अशुद्धियां तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती है ।

1. **भूल की अशुद्धियां (Errors of Omission):** यदि कोई व्यवहार बहियों में लेखांकित होने से ही रह जाता है तो इसे भूल की अशुद्धि कहते है। जब कोई व्यवहार लेखांकित नहीं होगा तो वह तलपट को प्रभावित कर ही नहीं सकता क्योंकि न तो उसकी खतौनी होगी और न ही वह खातों के योगों तथा शेषों को प्रभावित करेगा। यदि कोई व्यवहार मुख्य जर्नल में तो लिख दिया जाए परन्तु उसकी खतौनी दोनों पक्षों में (नाम तथा जमा) होने से छूट जाये तो यह भी तलपट को प्रभावित नहीं करेगी। जैसे राम को माल बेचा जिसका लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया। माल आग से नष्ट हो गया जिसका लेखा जर्नल में कर दिया गया परन्तु इसकी खतौनी होने से रह गई। ये दोनों ही प्रकार की गलतियां भूल की अशुद्धियां है।

2. **हिसाब की अशुद्धियां** (Errors of Commission)**:** इसमें गणितीय अशुद्धियां अधिक होती है। प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकों में गलत राशि से लेखांकन, गलत खाते में खतौनी कर देना जैसी अशुद्धियां हिसाब की अशुद्धियां कहलाती है। इनका भी तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है परन्तु ऐसे लेखे व्यापार की शत्–प्रतिशत सही स्थिति का चित्रण नहीं कर सकेंगें। जैसे 10,000 ₹ का माल श्याम को बेचा जिसे विक्रय बही में 1,00,000 ₹ लिख दिया और इसी रकम से खतौनी कर दी गई। विरेन्द्र को भुगतान 5,000 ₹ किया जिसे विमलेश के खाते में नाम कर दिया। इनका तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

3. **सिद्धान्त की अशुद्धियां** (Errors of Principle)**:-** लेखांकन करते समय दोहरा लेखा प्रणाली के सिद्धान्तों की अवहेलना करने से होने वाली अशुद्धियां सिद्धान्त की अशुद्धियां कहलाती है। जैसे मशीन खरीदी तथा क्रय खाते में 'नाम' कर दिया । मशीनों को लगवाने के लिये दी गई मजदूरी को मजदूरी खाते में नाम कर दिया। ऐसी अशुद्धियों का भी तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. **क्षतिपूरक अशुद्धियां** (Compensatory Errors)**:** खतौनी में कुछ गलतियां इस तरह की होती है कि एक खतौनी से होने वाली गलती के प्रभाव को दूसरी एक या एक से अधिक गलतियॉ मिलकर समाप्त कर देती हैं, तो ऐसी गलतियॉ क्षतिपूरक अशुद्धियां कहलाती है। जैसे मजदूरी के भुगतान की खतौनी करते समय 25,000 ₹ के स्थान पर 52,000 ₹ लिख दिये गये और दूसरी तरफ क्रय बही से क्रय खाते में खतौनी करते समय 30,000

₹ के स्थान पर 3,000 ₹ से ही खतौनी की गई। इस अशुद्धि का भी तलपट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उपरोक्त अशुद्धियों का पता लगाना अत्यन्त कठिन कार्य है। यह कार्य वही व्यक्ति कर सकता है जो लेखा कार्य में दक्ष हो। सामान्यतया ऐसी अशुद्धियां अंकेक्षण कार्य के दौरान पकड़ी जा सकती है। यदि अन्तिम खाते बनाने से पहले ऐसी अशुद्धियों का पता लग जाय तो उन्हें तुरन्त सही किया जा सकता है परन्तु विपरीत परिस्थिति में इनका सुधार आने वाली लेखा अवधि में सुधार प्रविष्टियों (Rectification Entries) द्वारा किया जाता है।

तलपट के मिलान को प्रभावित करने वाली अशुद्धियॉ (Errors affecting the reconciliation of the trial balance): ऐसी अशुद्धियॉ जो सहायक बहियों का योग लगाने में हो, सहायक बहियों से खाता बही में गलत राशि से खतौनी करने के कारण हो, खातों का योग करने में हो, खातों का शेष निकालने में हो या खाताबही से खातों को तलपट में लिखते समय हो तो इनसे तलपट का मिलान नहीं होता है। ऐसी अशुद्धियों के कारण व्यवहार का पूर्ण रूप से दोहरा लेखा नहीं होता है और यदि दोहरा लेखा हो गया हो तो वह समान राशि से न होने के कारण तलपट मेल नहीं खा सकता है। इसके कुछ उदाहरण निम्नलिखित हो सकते है–

1. **सहायक पुस्तकों के योग में अशुद्धियॉ** (Errors in the totaling of the subsidiary books): यदि सहायक बहियों का योग सही नहीं होगा तो उनसे खाताबही में होने वाली खतौनी गलत होगी। इससे तलपट नहीं मिलेगा। यदि विक्रय बही का योग गलत होगा तो उसकी विक्रय खाते में खतौनी गलत हो जायेगी।

2. **सहायक पुस्तकों का योग अगले पुष्ठों पर ले जाने की अशुद्धि** (Error in brought forward the total of the subsidiary books on the next page): यदि इन बहियों का एक पृष्ठ भर जाता है तो वहां तक के व्यवहारों की जोड़ करके अगले पृष्ठ पर लिखी जाती है। यदि इस कार्य में गलती हो जाय तो तलपट नहीं मिल सकेगा। जैसे 28,533 ₹ की जोड़ आगे ले जाते समय अगले पृष्ठ पर 28,353 ₹ लिख दी जाये।

3. **सहायक पुस्तकों से खतौनी करने में अशुद्धि** (Error in the posting from the subsidiary books): यदि इनसे खाताबही में खतौनी गलत राशि से कर दी जाय, गलत पक्ष में कर दी जाये, खतौनी एक पक्ष में ही हो तथा दूसरे पक्ष में होने से रह जाय तो भी तलपट मेल नहीं खायेगा।

4. **खाताबही के खातों का योग करने तथा शेष निकालने में अशुद्धि** (Error in the total of ledger and in balancing): खाताबही में खुले खातों का योग गलत कर दिया जाये या उसके शेष निकालने में गलती कर दी जाये या खातों के योग अथवा शेषों को अगले पृष्ठों पर ले जाने में गलती हो जाये तो भी तलपट मेल नहीं खायेगा।

5. **तलपट में लिखते समय अशुद्धि** (Error while writing in the trial balance): खाताबही से खातों के योग या शेष तलपट में लिखते समय गलत राशि लिख दे, गलत पक्ष में लिख दे या किसी खाते के शेष को लिखना ही भूल जाये तो तलपट नहीं मिलेगा। यदि व्यापार में देनदारों तथा लेनदारों की संख्या बहुत अधिक हो तो उन सब देनदारों व लेनदारों को तलपट में न लिखकर इनकी अलग सूचियॉ बनायी जाती है। इससे तलपट अनावश्यक रूप से बड़ा नहीं होता । यदि इन सूचियों का योग करने या इस योग को तलपट में लिखते समय अशुद्धि कर दे तो भी तलपट नहीं मिलेगा।

अशुद्धियों का पता लगाना (Detection of Errors) : तलपट नहीं मिलना इस बात को प्रदर्शित करता है कि लेखा पुस्तकों में अशुद्धियॉ है। यहां यह महत्वपूर्ण नहीं है कि तलपट का अन्तर कम है या अधिक। छोटे से अन्तर को ढूंढने पर भी बड़ी गलतियॉ मिल सकती है, जो व्यापार के लाभ एवं अर्थिक स्थिति को परिवर्तित कर सकती है। तलपट का मिलान न होने पर अशुद्धियों का पता लगाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये जाते है–

1. तलपट की दुबारा जोड़ लगानी चाहिये और यदि अन्तर आ रहा हो तो अन्तर की राशि का पता लगाकर देखना चाहिये कि अन्तर की राशि के बराबर का कोई खाता तो तलपट में लिखने से नहीं रह गया है। यदि ऐसा न हो तो अन्तर का आधा करके देखना चाहिये कि उस राशि के बराबर का कोई खाता विपरीत पक्ष में तो गलती से नहीं लिख दिया गया है।

2. यह देखना चाहिये कि रोकड़ बही से रोकड़ तथा बैंक खाने का शेष तलपट में लिख दिया गया है तथा बट्टा खाते का शेष तलपट में लिखने से पूर्व बट्टे खाते में तीन खानों वाली रोकड़ बही के बट्टे खाने की पूर्ण खतौनी कर दी गई है।

3. तलपट के अन्तर में 9 का भाग देकर देखना चाहिये और यदि भाग पूरा चला जाता है तो अंकों में परिवर्तन से अशुद्धि होने की सम्भावना है। जैसे 339 ₹ के स्थान पर 393 ₹ लिख दिया गया हो।

4. सहायक बहियों की जोड़ों की जांच करके उन जोड़ों की खाता बही में की गई खतौनी से जॉचं करनी चाहिये।

5. खातावही से तलपट में लिखे खातों की पुनः जॉच करनी चाहिये कि कहीं कोई खाता छूटा तो नहीं है।

6. लेनदारों तथा देनदारों की सूची का खाताबही से मिलान करके उनकी जोड़ की जॉच करनी चाहिये। यह भी देखना चाहिये कि उनकी जोड़ों को तलपट में सही स्थान पर सही राशि से लिखा है।

7. पिछले वर्ष के तलपट तथा चालू वर्ष के तलपट की मदों की जॉच करके देखना और यदि कोई मद घटी या बढ़ी है तो उनकी जॉच करनी चाहिये।

8. यह भी देखना चाहिये कि पिछले वर्ष के चिट्ठे में दिखाये गये सभी खातों के शेष सही राशि से खाताबही में सही पक्ष में लिखे गये है।

9. इतना करने पर भी तलपट न मिले तो सहायक पुस्तकों की प्रत्येक प्रविष्टि की खतौनी वापस देखनी चाहिये। समस्त जोड़ों तथा शेषों की वापस जॉच करनी चाहिये। यह कार्य ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाय जिसने अभी बनाये गये तलपट में सेवाऐं न दी हो।

उचंती खाता (Suspense Account) : यदि काफी प्रयत्न करने पर भी तलपट न मिल रहा हो और व्यापारी द्वारा किन्हीं कारणों से अन्तिम खातों का बनाया जाना आवश्यक हो तो अन्तर की राशि जिस खाते में हस्तान्तरित करके तलपट मिलाया जाता है, उसे उचंती खाता कहते है। यदि तलपट के 'नाम' पक्ष का योग 'जमा' पक्ष के योग से अधिक है तो अन्तर की राशि 'जमा' पक्ष में लिखकर तलपट मिला दिया जाता है। इसी प्रकार यदि 'जमा' पक्ष का योग 'नाम' पक्ष के योग से अधिक है तो अन्तर की राशि 'नाम' पक्ष में लिख कर तलपट मिला दिया जाता है।

यह खाता अल्पकाल के लिए अंतिम खाते बनाने के उद्देश्य से खोला जाता है। अगले वर्ष में अशुद्धियों का सुधार हो जाने के पश्चात् यह खाता स्वतः बन्द हो जाता है। इस खाते का 'नाम' का शेष होने पर इसे चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दर्शाया जाता है और जमा का शेष होने पर इसे चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दर्शाया जाता है।

व्यापारी के पास कुछ व्यवहारों के बारे में पूर्ण सूचनाऍ न होने पर भी उचंती खाता खोला जाता है। जैसे माल प्राप्त हो गया परन्तु किसने भेजा है इस सम्बन्ध में कोई सूचना नहीं आयी हो तो ऐसी दशा में क्रय खाते को नाम करके उचंती खाते को जमा कर लिया जाता है। इसी प्रकार व्यापारी को बैंक ड्राफ्ट या मनीआर्डर से राशि प्राप्त हुई हो और या तो उसके पास सूचना न आयी हो कि राशि किसने भेजी है या सूचना लेखांकन होने से पूर्व खो गई हो तो भी उचंती खाते को 'जमा' किया जायेगा। जब इनके बारे में सूचनाऍ प्राप्त हो जायेगी तो सम्बन्धित पक्षकार को 'जमा' करके उचंती खाते को 'नाम' करने पर यह खाता बन्द हो जायेगा।

उदाहरण (Illustration) 5 : एक अनुभवहीन लेखाकार द्वारा तैयार किये गये निम्नलिखित तलपट को ठीक कीजिये (Correct the following Trial Balance prepared by an inexperienced Accountant):

Sl.No.	Name of Ledger Accounts	L.F.	Debit ₹	Credit ₹

1	क्रय खाता (Purchases A/c)		2,50,000	-
2	विक्रय खाता (Sales A/c)		-	2,00,000
3	पूँजी खाता (Capital A/c)		2,00,000	-
4	डूबत ऋण खाता (Bad Debts A/c)		-	25,000
5	कमीशन प्राप्त खाता (Commission Received A/c)		25,000	-
6	बैंक ऋण खाता (Bank Loan A/c)		-	1,00,000
7	स्थायी विनियोग खाता (Fixed Investment A/c)		-	1,00,000
8	देय बिल खाता (Bills Payable A/c)		50,000	-
9	प्रारम्भिक रहतिया खाता (Opening Stock A/c)		-	75,000
10	अन्य व्यय खाता (Other Expenses A/c)		-	75,000
11	देनदार व लेनदार खाता (Debtors & Creditors A/c)		2,25,000	1,75,000
			7,50,000	7,50,000

हल (Solution): **Trial Balance as on …….**

Sl.No.	Name of Ledger Account	L.F.	Amount	
			Debit ₹	Credit ₹
1	Purchases A/c		2,50,000	-
2	Sales A/c		-	2,00,000
3	Capital A/c		-	2,00,000
4	Bad Debts A/c		25,000	-
5	Commission Received A/c		-	25,000
6	Bank Loan A/c		-	1,00,000
7	Fixed Investments A/c		1,00,000	-
8	Bills Payable A/c		-	50,000
9	Opening Stock A/c		75,000	-
10	Other Expenses A/c		75,000	-
11	Debtors and Creditors A/c		2,25,000	1,75,000
			7,50,000	7,50,000

उदाहरण (Illustration) : 6 एक अनुभवहीन लेखाकार द्वारा 31 दिसम्बर 2010 को बनाये गये निम्नलिखित तलपट को सही प्रारूप में बनाकर आवश्यक टिप्पणियाँ दीजिये (Redraft in its proper form and give necessary notes on the following Trial Balance prepared by an inexperienced Accountant on 31st December, 2010):

Trial Balance as on December 31st, 2010

L.F.	Credit ₹	Particulars	Sl.No.	Debit ₹
	-	अ से ऋण (Loan from A)		1,50,000
	60,000	ब को ऋण (Loan to B)		-
	-	अन्तः वापसी (Return Inwards)		40,000
	70,000	बाह्य वापसी (Return Outwards)		-

	15,000	बीमा प्रीमियम (Insurance Premium)		-
	-	बीमा दावा (Insurance Claim)		1,00,000
	-	यात्रा व्यय (Travelling Expenses)		25,000
	5,000	किराया व दर (Rent and Rates)		-
	20,000	देनदारों को बट्टा (Discount to Debtors)		-
	-	व्यापारिक व्यय (Trade Expenses)		70,000
	-	ब्याज दिया (Interest Allowed)		25,000
	15,000	लेनदारों से बट्टा (Discount from Creditors)		-
	-	थेला भाड़ा (Cartage)		10,000
	1,40,000	देनदार (Debtors)		-
	-	बन्दरगाह व्यय (Port Charges)		12,000
	42,000	अधिकार शुल्क प्राप्त (Royalty Received)		-
	-	पेषेवर शुल्क प्राप्त (Professional Fee Received)		23,000
	23,000	क्रय पर गाड़ी भाड़ा (Carriage Inward)		-
	-	विक्रय पर गाड़ी भाड़ा (Carriage Outward)		15,000
	40,000	विज्ञापन (Advertisement)		-
	2,00,000	पूँजी (Capital)		-
	4,50,000	क्रय (Purchases)		-
	-	विक्रय (Sales)		3,70,000

हल (Solution):

Trial Balance as on December 31st, 2010

Sl.No.	Name of Ledger Accounts	L.F.	Amount	
			Debit ₹	Credit ₹
1	Loan From ‘A’ A/c		-	1,50,000
2	Loan to ‘B’ A/c		60,000	-
3	Return Inward A/c		40,000	-
4	Return Outward A/c		-	70,000
5	Insurance Premium A/c		15,000	-
6	Insurance Claim A/c		-	1,00,000
7	Travelling Expenses A/c		25,000	-
8	Rent and Rates A/c		5,000	-
9	Discount to Debtors A/c		20,000	-
10	Trade Expenses A/c		70,000	-
11	Interest Allowed A/c		25,000	-
12	Discount from Creditors A/c		-	15,000
13	Cartage A/c		10,000	-
14	Debtors A/c		1,40,000	-
15	Port Charges A/c		12,000	-
16	Royalty Received A/c		-	42,000
17	Professional Fees Received A/c		-	23,000
18	Carriage Inward A/c		23,000	-
19	Carriage Outward A/c		15,000	-
20	Advertisement A/c		40,000	-
21	Capital A/c		-	2,00,000
22	Purchases A/c		4,50,000	-
23	Sales A/c		-	3,70,000
24	Suspense A/c		20,000	-
	Total		9,70,000	9,70,000

टिप्पणीः— 1. तलपट उपरोक्त प्रारूप में ही बनाया जाना चाहिये।

2. व्ययों तथा हानियों से सम्बन्धित खाते नाम होते है। अतः इनकी राशि तलपट बनाते समय नाम के खाने में लिखी जाती है। आय तथा लाभों से सम्बन्धित खातों के शेष जमा के होते है इसलिए इनकी राशि तलपट बनाते समय जमा के खाने में लिखी जाती है।

3. सम्पतियों के खातो की राशि नाम के खाने में तथा दायित्वों की राशि जमा के खाने में लिखी जायेगी।

4. यदि तलपट का योग नहीं मिलता है तो अन्तर को उचंती खाते के नाम से लिखकर तलपट को मिला दिया जाता है। तलपट का जो पक्ष (नाम या जमा) कम हो उसी में अन्तर की राशि लिखी जाती है।

उदाहरण (Illustration) 7: एक तलपट के नाम पक्ष का योग जमा पक्ष से 15,000 ₹ अधिक है। खाताबही में उचंती खाता किस प्रकार खोला जायेगा? (In a Trial Balance total of debit side is in excess over credit side by ₹ 15,000. How would you show suspense account in a Ledger)?

हल (Solution): **Suspense Account**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
	To Balance c/d	15,000		By Difference in books	15,000
		15,000			15,000

उदाहरण (Illustration) 8: एक तलपट के 'नाम' पक्ष का योग 1,85,700 रू. तथा 'जमा' पक्ष का योग 2,00,300 रू. है। खाताबही में उचंती खाता किस प्रकार खोला जायेगा ? (In a Trial Balance total of Debit and Credit side are Rs. 1,85,700 and Rs. 2,00,300 respectively. How would you show Suspense Account in a Leger) ?

हल (Solution): **Suspense Account**

Date	Particulars	Amount ₹	Date	Particulars	Amount ₹
	To Difference in Books	14,600		By Balance c/d	14,600
		14,600			14,600

अशुद्धियों का सुधार (Rectification of Errors)

लेखों में अशुद्धियों का पता लग जाने के पश्चात् उनको सुधारने के दो तरीके प्रयोग में लाये जाते है । प्रथम तरीके में अशुद्धि वाले क्षेत्र में अंको में परिवर्तन करने के लिए पुराने अंको को मिटाकर नये अंक लिखना, अशुद्धि वाले स्थान पर खाली कागज चिपकाकर उन्हें सही लेखांकित कर देना या अशुद्ध विवरण को काटकर उस स्थान पर सही विवरण लिख देना आदि, क्रिया करके संशोधन या सुधार कर दिया जाता है परन्तु ऐसा सुधार कार्य नही करना चाहिये क्योंकि इससे लेखों में हुई कांट छांट दिखने में भी खराब लगती है तथा लेखों की विश्वसनीयता भी संदिग्ध मानी जाती है । अतः लेखो की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह न लगे इसके लिए द्वितीय तरीके से जर्नल प्रविष्टियां करके अर्थात सुधार प्रविष्टियों के माध्यम से अशुद्धियों का सुधार करना चाहिये ।

अशुद्धियों का सुधार करने के लिए सर्वप्रथम यह पता लगाना आवश्यक होता है कि अशुद्धि किस स्तर पर हुई है और उसी के अनुरूप सुधार हेतु आवश्यक कदम उठाये जायेंगे । इस कक्षा के लिए सुधार की केवल निम्नलिखित दो अवस्थाएँ ही पाठ्यक्रम में शामिल की गई है –

1. तलपट बनाने से पूर्व अशुद्धियों का सुधार अर्थात उचंति खाता खोलने से पूर्व अशुद्धियों का सुधार (Rectification of errors before preparing Trial Balance or before Opening Suspense Account.)
2. तलपट बनाने के पश्चात् अर्थात उचंति खाता खोलकर तलपट का मिलान करने के बाद अशुद्धियों का सुधार (Rectification of errors after preparing Trial Balance or rectification of errors after reconciliation of trial balance while opening suspense account).

1. **तलपट बनाने से पूर्व अशुद्धियों का सुधार** (Rectification of errors before preparing Trial Balance or Opening Suspense Account.): तलपट बनाने से पूर्व ज्ञात अशुद्धियें दो प्रकार की हो सकती है –

(i) एक पक्षीय अशुद्धियॉ (ii) द्विपक्षीय अशुद्धियां

(i) **एक पक्षीय अशुद्धियों का सुधार (Rectification of Single Sided Errors): ये** ऐसी अशुद्धियां होती है जो तलपट का मिलान नहीं होने देती जैसे सहायक पुस्तकों की जोड़ करने में गलती रह जाना, जोड़ों (Totals) को आगे ले जाने में गलती हो जाना, खातों में गलत राशि से खतौनी हो जाना, गलत पक्ष में खतौनी हो जाना, किसी एक पक्ष की खतौनी ही न होना, खाते की जोड़ करने तथा शेष निकालने में भूल हो जाना, प्रारंभिक शेष लिखने में गलती हो जाना या प्रारंभिक शेष लिखना ही भूल जाना तथा खातों के शेषो को तलपट में उतारते समय भी गलतियें हो जाना आदि सभी गलतियां एक पक्षीय गलतियों में शामिल की जाती है । ऐसी अशुद्धि का पता लगने के पश्चात् प्रभावित खाते में सही प्रविष्टि करके त्रुटी में सुधार कर दिया जाता है । जैसे खाते में नाम पक्ष की तुलना में जमा पक्ष में अधिक राशि लिख दी गई है तो इसके सुधार के लिए नाम पक्ष में वांछित राशि लिखकर विवरण के खाने में अशुद्धि के बारे में लिख देना चाहिये ।

उदाहरण (Illustration) 9: एक लेखाकार को तलपट बनाने से पूर्व निम्नलिखित अशुद्धियों का पता चला । इन अशुद्धियों का सुधार कीजिये । (An accountant identify the following errors before preparing the Trial Balance. Rectify these errors.)

(i) क्रय बही का जोड़ 3000 ₹ से कम लगाया गया (Total of the purchases book has been undercasted by ₹3000)
(ii) विक्रय बही का जोड़ 10000 ₹ से अधिक लगाया गया (The total of the Sales book has been overcasted by ₹ 10000)
(iii) क्रय वापसी बही का जोड़ 8000 से कम लगाया गया (The total of Purchases return book has been undercasted by 8000)
(iv) विक्रय वापसी बही का जोड़ 1000 से अधिक लगाया गया (The total of Sales return book has been overcasted by ₹ 1000)
(v) प्राप्य बिल बही का जोड़ 5000 ₹ से कम लगाया गया (The total of Bills Receivable books undercasted by ₹ 5000)
(vi) देय बिल बही का जोड़ 4000 ₹से अधिक लगाया गया । (The total of bills payable books overcasted by ₹ 4000)
(vii) राम से 10000 ₹ का माल खरीदा परन्तु उसके व्यक्तिगत खाते में 1000 ₹ ही खताये गये (Goods purchases from Ram ₹ 10000 has been posted as ₹ 1000 to his personal account.)
(viii) श्याम को 5000 ₹ का माल बेचा और उसके व्यक्तिगत खाते में 50000 ₹ खता दिये (Goods sold to Shyam ₹ 5000 has been posted as ₹ 50000)

हल (Solution):

(i) Purchases Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To Purchases book under cast now rectified.		3000				

(ii) Sales Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To Sales book over cast now corrected		10000				

(iii) Purchases Return Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
					By Purchases Return book under cast now rectified		8000

(iv) Sales Return Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
					By Sales return book over cast now rectified		1000

(v) Bills Receivable Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To bills receivable book under cast now rectified		5000				

(vi) Bills Payable Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To bills payable book over cast now corrected		4000				

(vii) Ram's Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
					By under posting now rectified		9000

(viii) Shyam's Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
					By over posting now rectified		45000

(ii) द्विपक्षीय अशुद्धियों का सुधार (Rectification of Double Sided Errors) ऐसी अशुद्धियां जो दो या दो से अधिक खातों के दोनो पक्षों पर समान रूप से प्रभाव डालती है द्विपक्षीय अशुद्धियां कहलाती है । ऐसी अशुद्धियां तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती है । ऐसी अशुद्धियों का सुधार करने के लिए यह देखा जाता है कि उक्त व्यवहार की सही प्रविष्टि क्या होनी चाहिये तथा लेखों में क्या प्रविष्टि की गई है (जो गलत है), इन दोनों को मध्य नजर रखते हुए सुधार की प्रविष्टि की जाती है । जैसे राम को वेतन के चुकाये 5000 ₹ उसके व्यक्तिगत खाते में नाम लिख दिये गये । इसकी सुधार प्रविष्टि करने के लिए निम्नलिखित तरीका अपनाया जायेगा –

सही जर्नल प्रविष्टि	₹	₹	की जा चुकी गलत जर्नल प्रविष्टि	₹	₹	सुधार की प्रविष्टि	₹	₹
Salaries A/cDr.	5000		Ram's A/cDr.	5000		Salaries A/cDr.	5000	
To Cash A/c		5000	To Cash A/c		5000	To Ram's A/c		5000
(Being Salaries Paid)			(Being Salaries Paid)			(Ram's account wrongly debited now rectified).		

2. तलपट बनाने के बाद अर्थात उचंती खाता खोलकर तलपट का मिलान करने के बाद अशुद्धियों का सुधार (Rectification of errors after preparing trial balance)

(i) एक पक्षीय अशुद्धियों का सुधार (Rectification of Single Sided Errors): इस परिस्थिति में उचंति खाता खोलकर तलपट मिलाया जा चुका है और इसके पश्चात् अशुद्धि ज्ञात हुई है इसलिए इसके सुधार के लिए उचंती खाते की सहायता से दोहरी प्रविष्टि की जायेगी । विभिन्न परिस्थितियों में निम्नलिखित प्रकार से सुधार प्रविष्टियां की जायेगी :

1	क्रय बही का योग कम लगने पर :–	Purchases A/c To suspense A/c (Being purchase book undercast now rectified)	Dr.
2	क्रय बही का योग अधिक लगने पर :–	Suspense A/c To Purchase A/c (Being purchase book overcast now rectified)	Dr.
3	विक्रय बही का योग कम लगने पर :–	Suspense A/c To Sales A/c (Being sales book undercast now rectified)	Dr.
4	विक्रय बही का योग अधिक लगने पर :–	Sales A/c To Suspense A/c (Being sales book overcast now rectified)	Dr.
5	क्रय वापसी बही का योग कम लगने पर :–	Suspense A/c To Purchases Return A/c (Being purchases return book undercast now rectified)	Dr.
6	क्रय वापसी बही का योग अधिक लगने परः–	Purchases Return A/c To Suspense A/c (Being purchases Return book overcast now rectified)	Dr.
7	विक्रय वापसी बही का योग अधिक लगने पर :–	Suspense A/c To Sales Return A/c (Being sales return book overcast now rectified)	Dr.
8	विक्रय वापसी बही का योग कम लगने परः–	Sales Return A/c To Suspense A/c (Being sales return book undercast now rectified)	Dr.
9	देय बिल बही का योग कम लगने पर :–	Suspense A/c To Bills Payable A/c (Being biils payable book under cast now rectified)	Dr.
10	देय बिल बही का योग अधिक लगने पर :–	Bills Payable A/c To Suspense A/c (Being biils payable book over cast now rectified)	Dr.
11	प्राप्य बिल बही का योग अधिक लगने परः–	Suspense A/c To Bills Receivable A/c (Being biils receivable book over cast now rectified)	Dr.
12	प्राप्त बिल बही का योग कम लगने पर :–	Bills Receivable A/c To Suspense A/c (Being bills receivable book under cast now rectified)	Dr.
13	रोकड़ बही के नाम पक्ष के बट्टे खाने की जोड़ अधिक लगने पर :–	Suspense A/c To Discount A/c (Being discount column of Cash book over cast now rectified).	Dr.

14	रोकड़ बही के नाम पक्ष के बट्टे खाने की जोड़ कम लगने पर :–	Discount A/c Dr. To Suspense A/c (Being discount column of Cash book under cast now rectified).
15	रोकड़ बही के जमा पक्ष के बट्टे खाने की जोड़ अधिक लगने पर :–	Discount A/c Dr. To Suspense A/c (Being discount column of Cash book over cast now rectified).
16	रोकड़ बही के जमा पक्ष के बट्टे खाने की जोड़ कम लगने पर :–	Suspense A/c Dr. To Discount A/c (Being discount columm of Cash book under cast now rectified)
17	देनदार खाते / सूची की जोड़ अधिक लग जाने पर :–	Suspense A/c Dr. To Debtors A/c (Being debtors list over cast now rectified.)
18	देनदार खाते / सूची की जोड़ कम लग जाने पर :–	Debtors A/c Dr. To Suspense A/c (Being debtors list under cast now rectified.)
19	लेनदार खाते / सूची की जोड़ अधिक लग जाने पर :–	Creditors A/c Dr. To Suspense A/c (Being creditors list over cast now rectified.)
20	लेनदार खाते / सूची की जोड़ कम लग जाने पर :–	Suspense A/c Dr. To Creditors A/c (Being creditors list under cast now rectified.)
21	राम को 1000 रू. चुकाये तथा उसे जमा कर दिया :–	Ram A/c Dr. 2000 To Suspense A/c 2000 (Being paid to Ram and his account is credited now rectified.)
22	श्याम से 500 रू. का माल खरीदा तथा सोहन को नाम कर दिया :–	Suspense A/c Dr. 1000 To Shyam 500 To Sohan 500 (Being purchase from Shyam and Sohan wrongly debited now rectified.)

उदाहरण (Illustration) 10: उदाहरण 9 की यह मानते हुए सुधार प्रविष्टियां कीजिये कि तलपट तैयार किया जा चुका है और अन्तर की राशि उचंती खाते में हस्तांतरित कर दी गई है । (From the illustration 9 pass rectification entries assuming that the tiral balance has been prepared and difference of the amount has been transferred to suspense account)

हल (Solution) :

Journal

Date	Particulars	LF	Amount	
			Debit ₹	Credit ₹
(i)	Purchases A/c Dr. To Suspense A/c (Being purchase book under cast now rectified)		3000	3000
(ii)	Sales A/c Dr. To Suspense A/c (Being sales book over cast now rectified)		10000	10000

(iii)	Suspense A/c Dr. To Purchases Return A/c (Being purchase return book under cast now rectified)		8000	8000
(iv)	Suspense A/c Dr. To Sales Return A/c (Being sales return book over cast now rectified)		1000	1000
(v)	Bills Receivalbe A/c Dr. To Suspense A/c (Being BR book under cast now rectified)		5000	5000
(vi)	Bills Payable A/c Dr. To Suspense A/c (Being B.P. book over casted now rectified)		4000	4000
(vii)	Suspense A/c Dr. To Ram's A/c (Being Ram account rectified)		9000	9000
(viii)	Suspense A/c Dr. To ShyamA/c (Being Shyam's account more debited now rectified)		45000	45000

उदाहरण (Illustration) 11: तलपट मिलाते समय एक लिपिक ने पाया कि इसका दोनो और का जोड़ नहीं मिलता है जिसके लिए उसने अन्तर की राशि का उचन्ती खाता खोल लिया । इसके पश्चात् उसे निम्नलिखित अशुद्धियां ज्ञात हुई– (The book keeper of firm finds that two sides of the trial balance do not tally, thereby Suspense account was raised for the difference. Subsequently the following errors were detected.)

(1) रोकड़ पुस्तक के नाम पक्ष का 40 ₹ का एक मद ग्राहक के खाते में 4 ₹ से जमा किया गया (An item of ₹ 40 has been posted at ₹4 from the debit of the cash book to the credit of a Customer's account.)

(2) 30 ₹ का माल वाई को बेचा जिसकी प्रविष्टि विक्रय पुस्तक में सही कर दी गई परन्तु वाई के खाते के नाम पक्ष में 3 ₹ ही खताये गये । (A sale of ₹ 30 was made to Y and entered correctly in the Sale Book, but posted to the debit of Y's account as ₹ 3.)

(3) विक्रय वापसी पुस्तक में 50.50 ₹ का एक मद है, जिसको ग्राहक के नाम पक्ष में खता दिया गया (The Sales Return Book includes an item of ₹ 50.50 which has been posted to the debit of customer's account.)

(4) ग्राहक को दिया गया बट्टा व्यक्तिगत खाते में तो ठीक लिख दिया गया, लेकिन रोकड़ पुस्तक के बट्टा खातें का जोड़ 15 ₹ से अधिक दिखाया गया । (Discount allowed to a customer was correctly posted to the personal account but the discount column of Cash book was overcast by ₹ 15)

(5) दिसम्बर माह के क्रय, क्रय पुस्तक में 22,176 ₹ से जोड़े और खता दिये गये परन्तु ये 22,426 ₹ से दिखाये जाने चाहिये थे । (The Purchases for December were added in the Purchases Book and posted as ₹ 22176 in Purchases account which should have been ₹ 22,426.)

(6) जितेन्द्र द्वारा वापस किये माल के 10.50 ₹ का लेखा वापसी पुस्तक से उसके खाते में नही खताया गया । Goods returned of ₹ 10.50 by Jitendra had not been posted to his account.)

भूल सुधारों से सम्बन्धित आवश्यक प्रविष्टियां कीजिये और उचन्ती खाता बनाइये (Pass the necessary Journal entries for rectification of errors and prepare suspense account.) **(मा.शि.बो. राज. 1974)**

हल (Solution) :-

Journal of

		₹	₹
(1)	Suspense A/c Dr. To Customer's A/c (Being customer account less credited now rectified)	36	36

(2)	Y's A/c Dr. To Suspense A/c (Being Y's account less debited now rectified)	27	 27
(3)	Suspense A/c Dr. To Debtor's / Customer's A/c (Being customers account wrongly debited now rectified)	101	 101
(4)	Suspense A/c Dr. To Discount A/c (Being discount column of debit side of the Cash book over cast now rectified)	15	 15
(5)	Purchases A/c Dr. To Suspense A/c (Being purchases book undercast now rectified)	250	 250
(6)	Suspense A/c Dr. To Jitendra's A/c (Being retunred goods by Jitender not posted in Jitendra account now rectified)	10.50	 10.50

Suspense Account

Dr. Cr.

Date	Particulars	JF	Amount ₹	Date	Particulars	JF	Amount ₹
	To Balance b/d (Balancing Figures)		114.50		By Y's A/c		27.00
	To Customer's A/c		36.00		By Purchases A/c		250.00
	To Customer's A/c		101.00				
	To Discount A/c		15.00				
	To Jitendar's A/c		10.50				
			277.00				**277.00**

(ii) **द्विपक्षीय अशुद्धियां (Double Sided Errors)** यह नाम तथा जमा दोनो पक्षों पर समान राशि से प्रभाव डालने वाली अशुद्धि है। अतः इसका तपलट के मिलान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है । इस अशुद्धि के सुधार हेतु सही जर्नल प्रविष्टि तथा लेखांकित की जा चुकी जर्नल प्रविष्टि के आधार पर ही सुधार प्रविष्टि की जाती है । इस प्रकार की कुछ अशुद्धियों के उदाहरण निम्नलिखित है –

	विवरण	सही जर्नल प्रविष्टि	लेखांकित जर्नल प्रविष्टि	सुधार की प्रविष्टि
1	राम को माल बेचा 1000 ₹ तथा श्याम को नाम कर दिया	Ram's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000	Shyam's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000	Ram's A/c Dr. 1000 To Shyam 1000
2	राम को माल बेचा 1000 ₹, को क्रय बही में लिख दिया	Ram's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000	Purchase A/c Dr. 1000 To Ram's A/c 1000	Ram's A/c Dr. 2000 To Sales A/c 1000 To PurchsesA/c 1000
3	राम को माल बेचा 1000 ₹ जिसे विक्रय बही में 10,000 रू. लिख दिया	Ram's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000	Ram's A/c Dr. 10000 To Sales A/c 10000	Sales A/c Dr. 9000 To Ram 9000
4	राम को 1000 ₹ वेतन दिया जिसे राम खाते में नाम लिख दिया	Salary A/c Dr. 1000 To Cash A/c 1000	Ram's A/c Dr. 1000 To Cash A/c 1000	Salary A/c Dr. 1000 To Ram's A/c 1000
5	फर्निचर की मरम्मत 1000	Repairs A/c Dr. 1000	Furniture A/c Dr. 1000	Repairs A/c Dr. 1000

	₹ फर्निचर खाते में नाम लिख दी	To Cash A/c 1000	To Cash A/c 1000	To Furniture A/c1000
6	भवन खरीदा तथा क्रय खाते में नाम लिख दिया	Building A/c Dr. To Cash A/c	Purchase A/c Dr. To Cash A/c	Building A/c Dr. To Purchase A/c
7	वेतन चुकाया तथा स्टेशनरी खाते नाम लिख दिया	Salary A/c Dr. To Cash A/c	Stationery A/c Dr. To Cash A/c	Salary A/c Dr. To Stationery A/c
8	मुद्रण एवं छपाई के चुकाये तथा क्रय खाते में लिख दिये	Printing&StationeryA/cDr. To Cash A/c	Purchase A/c Dr. To Cash A/c	Printing&StationeryA/cDr. To Purchase A/c
9	राम को 1000 ₹ का माल बेचा जिसका लेखा नहीं किया	Ram's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000	_	Ram's A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000
10	राम को माल बेचा 1000 ₹ जिसे क्रय वापसी बही में लिख दिया	Ram's A/c Dr. To Sales A/c	Ram's A/c Dr. 1000 To P/R A/c 1000	P/R/ A/c Dr. 1000 To Sales A/c 1000
11	राम ने माल लौटाया 100 ₹ जिसे क्रय वापसी बही में लिख दिया	Sales ReturnA/c Dr. 100 To Ram 100	Ram's A/c Dr. 100 To P/R /A/c 100	S/R A/c Dr. 100 P/R A/c Dr. 100 To Ram's A/c 200
12	राम से 100 ₹ का बिल प्राप्त हुआ जिस देय बिल बही में लिख दिया	B/R A/c Dr. 100 To Ram's A/c 100	Ram's A/c Dr. 100 To B/P A/c 100	B/P A/c Dr. 100 B/R A/c Dr. 100 To Ram's A/c 200
13	मोहन से 200 ₹ का माल खरीदा तथा विक्रय वापसी बही में लिख दिया	Purchase A/c Dr. 200 To Mohan's A/c 200	S/R A/c Dr. 200 To Mohan's A/c 200	Purchase A/c Dr. 200 To S/R A/c 200
14	राम से 100 ₹ का माल खरीदा जिसे विक्रय बही में लिख दिया	Purchase A/c Dr. 100 To Ram's A/c 100	Ram's A/c Dr. 100 To Sales A/c 100	Purchase A/c Dr. 100 Sales A/c Dr. 100 To Ram's A/c 200
15	राम से माल खरीदा 100 ₹ जिसकी खतौनी विक्रय खाते में हो गई	Purchase A/c Dr. 100 To Ram's A/c 100	खतौनी विक्रय खाते में हुई है ।	Sales A/c Dr. 100 PurchaseA/cDr. 100 To Suspense A/c 200
16	राम से माल खरीदा 100 ₹ जिसे क्रय वापसी बही में लिख दिया	Purchase A/c Dr. 100 To Ram's A/c 100	Ram's A/c Dr. 100 To P/R A/c 100	Purchase A/c Dr. 100 P/R A/c Dr. 100 To Ram's A/c 200

उदाहरण (Illustration) 12: नीचे कपड़े के एक व्यापारी के व्यापारिक व्यवहार व उससे सम्बन्धित कुछ सम्भावित अशुद्धियां दी गई है । प्रत्येक अशुद्धि का प्रकार बताईये तथा जर्नल में सुधार हेतु प्रविष्टियॉ दीजिये – (Business Transaction and the possibility of errors related to these transactions of the businessman dealing in Garments are given below- Give a Type of each error & pass entries for rectification in Journal.

व्यापारिक व्यवहार – उसने राम को 450 ₹ का पुराना फर्नीचर बेचा ।

(Business transaction : He sold the old furniture to Ram at Rs. 450.)

संभावित अशुद्धियां (Probable errors): (1) यदि इसका पुस्तकों में कोई लेखा नही किया गया ।(If it was not entered in the books.) (2) यदि इसे विक्रय बही में लिख दिया गया । (If it was entered in Sales books.) (3) यदि इसे राम के खाते में 540 ₹ लिखा गया हो (If it was entered by ₹ 540/- in Ram's A/c. (4) यदि इसे फर्नीचर खातें के नाम पक्ष में खता दिया गया । (If it was posted in debit side of Furniture A/c.) (5) यदि इसे राम के स्थान पर रहीम के खाते में

खता दिया गया । (If it was posted in Rahim's A/cin place of Ram's A/c.) (6) यदि इसे विक्रय बही में 540 ₹ लिखा गया हो । (If it was written as ₹ 540 in sales book).

(मा.शि.बो.राज.1996)

हल (Solution) :-

Journal

अशुद्धि का प्रकार	सुधार प्रविष्टि	LF	₹	₹
(1) भूल–चूक अशुद्धि	Ram's A/c Dr. To Furniture A/c (Being old furniture sold to Ram for ₹ 450 but it was not entered in to books now corrected.)		450	 450
(2) सैद्धान्तिक अशुद्धि	Sales A/c Dr. To Furniture A/c (Being old furniture sold to Ram for ₹ 450 but it was entered in to sales book now corrected.)		450	 450
(3) हिसाब की अशुद्धि (राशि सम्बन्धी)	Suspense A/c Dr. To Ram's A/c (Being old furniture sold to Ram ₹ 450 but Ram's account was debited to ₹ 540 now corrected).		90	 90
(4) हिसाब की अशुद्धि (पक्ष सम्बन्धी)	Suspense A/c Dr. To Furniture A/c (Being furniture sold to Ram ₹ 450 but it was posted in debit side of furniture account now corrected)		900	 900
(5) हिसाब की अशुद्धि (गलत खाता)	Ram's A/c Dr. To Rahim's A/c (Being old furniture sold to Ram ₹ 450 but it was posted in Rahim's account, now corrected).		450	 450
(6) सैद्धान्तिक व हिसाब की अशुद्धि (मिश्रित)	Sales A/c Dr. To Furniture A/c To Ram's A/c (Being old furniture sold to Ram ₹ 450 but it was entered in to sales book 540 now corrected).		540	 450 90

उदाहरण (Illustration) 13: तलपट बनाने के उपरान्त एक व्यापारी की पुस्तकों में निम्नलिखित अशुद्धियों का पता चला है। सुधार प्रविष्टियां कीजिये – (Following errors have been located in the books of a trader after preparing the Trial Balance. Pass rectification entries):

(1) ज्योति को बेचा गया माल 1200 ₹ क्रय पुस्तक में लिखा गया ।

(Goods sold to Jyoti ₹ 1200 were entered in the Purchases Book.)

(2) 450 ₹ ब्याज की राशि प्राप्त हुई जिसे कमीशन खातें में जमा किया गया ।

(An amount of ₹ 450 received on account of interest was credited to Commission account)

(3) विक्रय बही से 276 ₹ को सोभाग ट्रैडर्स के नाम पक्ष में 267 ₹ चढ़ाया गया ।

(A sale of ₹ 276 was posted from Sales Book to the debit of Sobhag Traders at ₹ 267)

(4) विक्रय वापसी बही के योग 550 ₹ को क्रय वापसी खाते के जमा पक्ष में चढ़ाया गया ।

(The total of Sales Return Book ₹ 550 was posted to the credit of Purchases Return account)

(5) जगनलाल के लेखे से 20 ₹ की अशोध्य ऋण के रूप में अपलिखित की गई राशि को अशोध्य ऋण

खातें में नाम नही किया गया ।

(Amount of ₹ 20 as bad debt from Jaganlal's account was not debited to Bad Debts account)

(6) सुन्दर के 5000 ₹ के ऋण के पूर्ण निपटारे के लिए 4900 ₹ का एक देय बिल दिया गया था । इस बिल के अनादरण पर सुन्दर ने 15 ₹ निकराई व्यय चुकाये । बिल के अनादरण पर सुन्दर के खाते में 4900 ₹ जमा किए गए तथा देय बिल खाते में 4900 ₹ नाम किये गये ।

(A Bills Payable ₹ 4900 was accepted in full settlement of the amount of ₹ 5000 owed to Sunder. Sunder paid ₹ 15 as noting charges on the dishonour of this bill. An amount of ₹ 4900 was credited to Sunder's account and Bills Payble account was debited with ₹ 4900 on the dishonour of this bill.)

(मा.शि.बो.राज.1981)

हल (Solution) :-

Journal of ……

			₹	₹
(1)	Jyoti's A/c	Dr.	2400	
	To Purchases A/c			1200
	To Sales A/c			1200
	(Being goods sold to Jyoti Rs. 1200 having been entered in the Purchases Book now corrected).			
(2)	Commission A/c	Dr.	450	
	To Interest A/c			450
	(Being interest received Rs. 450 credited to Commission Account, now corrected).			
(3)	Subhag Traders A/c	Dr.	9	
	To Suspense A/c			9
	(Being credit sale of Rs. 276 posted as Rs. 267 now rectified)			
(4)	Sales Returns A/c	Dr.	550	
	Purchases Returns A/c	Dr.	550	
	To Suspense A/c			1100
	(Being the total of Sales Returns Book Rs. 550 posted to the credit of Purchases Returns book now rectified)			
(5)	Bad Debts A/c	Dr.	20	
	To Suspense A/c			20
	(Being Bad Debts written off Rs. 20 now debited)			
(6)	Discount Received A/c	Dr.	100	
	Noting Charges A/c	Dr.	15	
	To Sunder's A/c			115
	(Being noting charges paid by Sunder and discount received from Sunder debited on dishonour of the Bills Payable).			

उदाहरण (Illustration) 14: एक मुनीम ने तलपट बनाते समय 1000 ₹ का अन्तर पाया जिसे उसने उचन्ती खाते में डाल दिया । बाद में उसने निम्नलिखित अशुद्धियों को खोज निकाला – (A book keeper finds the difference in the Trial Balance amounting to ₹ 1000 and puts it in the Suspense Account. Later on he detects the following errors):

(1) रवि से 15000 ₹ का माल खरीदा परन्तु इसे विक्रय बही में लिख दिया ।

(Purchased goods from Ravi ₹ 15000 but entered into Sales Book).

(2) अरूण से 25000 ₹ का एक बिल प्राप्त किया परन्तु इसे देय बिल बही में लिखा गया ।
(Received one bill for ₹ 25000 from Arun but recorded in Bills Payable Book).

(3) अग्रिम दिये गये किराये के 3500 ₹ को आगे लाना भूल गये ।
(An item of ₹ 3500 relating to prepaid rent account was omitted to be brought forward.)

(4) क्रय वापसी की 2000 ₹ की एक मद को गलती से क्रय खाते में लिख दिया गया ।
(An item of ₹ 2000 in respect of purchases returns, had been wrongly entered in the Purchase Account)

(5) अपनी स्वीकृति के भुगतान में हरी को दिए गये 25000 ₹ हरीश के खाते में नाम कर दिये गये ।
(₹ 25000 paid to Hari against our acceptance were debited to Harish Account).

(6) जानकी से 2500 ₹ रेडियों मरम्मत तथा 45000 ₹ रेड़ियो खरीद के प्राप्त बिल क्रय खाते में 46000 ₹ के लिख दिये गये ।
(Bills received from Janaki for repairs done to radio ₹ 2500 and radio supplied for ₹ 45000 were entered in the Purchase Account as ₹ 46000.)

पूरा विवरण देते हुए सुधार हेतु जर्नल प्रविष्टियों कीजिये तथा उंचती खाता बनाईये ।
Give rectifying journal entries with full narration and prepare Suspense Account.

हल (Solution) :-

Journal of ……

			₹	₹
(1)	Purchases A/c	Dr.	15000	
	Sales A/c	Dr.	15000	
	To Ravi's A/c			30000
	(Being goods purchased from Ravi entered in Sales Book now rectified)			
(2)	Bills Receivable A/c	Dr.	25000	
	Bills Payable A/c	Dr.	25000	
	To Arun's A/c			50000
	(Being one bill received from Arun was entered in Bills Payable Book, now rectified)			
(3)	Prepaid Rent A/c	Dr.	3500	
	To Suspense A/c			3500
	(Being prepaid rent omitted to be brought forward, now rectified)			
(4)	Suspense A/c	Dr.	4000	
	To Purchases A/c			2000
	To Purchases Returns A/c			2000
	(Being Purchases returns wrongly entered in purchase account now rectified).			
(5)	Bills Payable A/c	Dr.	25000	
	To Harish's A/c			25000
	(Being cash paid to Hari against our acceptance debited to Harish, now rectified)			
(6)	Repairs A/c	Dr.	2500	
	Radio's A/c	Dr.	45000	
	To Purchases A/c			46000
	To Janki A/c			1500
	(Being repairs to radio and radio purchased wrongly entered in the purchases account now rectified).			

Suspense Account

Dr.							Cr.
Date	Particulars	J.F.	Amount ₹	Date	Particulars	J.F.	Amount ₹
	To Balance b/d		1000		By Prepaid Rent A/c		3500
	To Purchases A/c		2000		By Balance c/d		1500
	To Purchases Returns A/c		2000				
			5000				5000

स्वयं जांचिये–1

1. बताइये कि निम्नलिखित वाक्य सत्य है या असत्य ।

(i) तलपट खाताबही की गणितीय शुद्धता का अकाट्य प्रमाण है ।
(ii) नाम शेष का अभिप्राय है कि खाते के नाम पक्ष का योग जमा पक्ष के योग से कम है ।
(iii) तपलट एक खाता है ।
(iv) तलपट व्यक्तिगत एवम् वास्तविक खातों की एक सूची है ।
(v) तलपट लाभ हानि खाता बनाने के पश्चात् बनाया जाता है ।
(vi) अंतिम रहतिये का जमा का शेष होता है ।
(vii) सम्पत्ति खाते का नाम शेष होता है ।
(viii) आहरण खाता व्यापारी के पूंजी खाते के समान ही है ।
(ix) प्रारंभिक रहतिये को तलपट के योग के बाद नीचे दर्शाया जाता है ।
(x) तलपट दोहरा लेखा प्रणाली का अंग है ।

स्वयं जांचिये–2

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये –

(i) लेखाकंन की..........शुद्धता की जांच करने के लिए तलपट बनाया जाता है ।
(ii) किसी खाते का नाम पक्ष का योग..... पक्ष के योग से अधिक है तो तलपट में उसे .... पक्ष में लिखा जायेगा।
(iii) यदि तलपट के अन्तर की राषि में 9 का भाग बराबर चला जाता है तो ...... की अशुद्धि है ।
(iv) व्यापारी के पास किसी व्यवहार की पूरी सूचनाएं न हो तो भी ..... खोला जाता है ।
(v) सम्पत्तियों से सम्बंधित खातों के .... शेष होते है ।
(vi) यदि लेखे .... है तो अंतिम खाते सही लाभ एवं आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित नहीं कर सकते ।
(vii) .... की अशुद्धियें तलपट के मिलान को प्रभावित कर भी सकती है और नही भी कर सकती है ।
(viii) तलपट का मिलान न होने पर अन्तर की राशि....... में हस्तांतरित की जाती है ।
(ix) ... अशुद्धि दो या दो से अधिक खातों के दोनो पक्षों पर समान रूप से प्रभाव डालती है ।
(x) क्षतिपूरक अशुद्धि तलपट के मिलान को प्रभावित .... है ।

स्वयं जांचिये–3

3. बताईये कि निम्नलिखित वाक्य सत्य है या असत्य ।

(i) सिद्धान्त की अशुद्धियां तपलट के मिलान को प्रभावित करती है ।
(ii) स्थाई सम्पत्ति खरीदी जिसे क्रय बही में लिख दिया, यह क्षतिपूरक अशुद्धि है ।
(iii) अशुद्धियों के सुधार के पश्चात् तलपट का मिलना आवश्यक है ।
(iv) सहायक बहियों के योग में त्रुटी रह जाये तो तलपट प्रभावित नहीं होता ।
(v) प्रत्येक प्रकार की अशुद्धि तलपट के मिलान को प्रभावित करती है ।
(vi) तलपट से लेखा पुस्तकें बनाने वाले की ईमानदारी की जॉच होती है ।
(vii) भूल की अशुद्धि तथा सिद्धान्त की अशुद्धि तलपट के मिलान पर एकसा प्रभाव डालती है ।
(viii) क्षतिपूरक अशुद्धि और हिसाब की अशुद्धि तलपट के मिलान को प्रभावित करती है ।
(ix) हिसाब की अशुद्धि का आशय लेखाकार द्वारा हिसाब लिखना भूल जाने से है ।
(x) क्षतिपूरक अशुद्धि से व्यापार में आकस्मिक रूप से हुई क्षति की पूर्ति होती है ।

स्वयं जांचिये–4

4. बताईये कि निम्नलिखित खातों का जमा का शेष होगा या नाम का ।

(i) आहरण खाता	(ii) क्रय वापसी खाता	(iii) बैंक अधिविकर्ष खाता
(iv) रोकड़ खाता	(v) बैंक से ऋण खाता	(vi) व्यापारिक चिन्ह खाता
(vii) बट्टा खाता	(viii) बीमा दावा खाता	(ix) रहतिया खाता
(x) स्थाई जमा खाता	(xi) पूंजी खाता	(xii) डूबत ऋण प्रावधान खाता

स्वयं जांचिये–5

5. निम्नलिखित अशुद्धियों का प्रकार बताइये तथा इनका सुधार कीजिये !

(i) माल बेचा जिसे क्रय बही में लिख दिया ।
(ii) व्यापार के लिए सुसज्जित भवन खरीदा जिसे क्रय बही में लिख दिया ।
(iii) मजदूरी चुकायी जो मजदूर के व्यक्तिगत खाते में नाम लिख दी गई ।
(iv) क्रय बही का योग आगे ले जाने में अशुद्धि हो गई ।
(v) व्यापारी ने माल का आहरण किया जो लेखांकित होने से छूट गया
(vi) रोकड़ बही से व्यक्तिगत खाते में खतौनी करना भूल गये ।
(vii) हरी से प्राप्त राशि को हरीश के खाते में जमा कर दिया गया ।
(viii) क्रय बही का योग 5000 ₹ से अधिक लग गया और विक्रय वापसी बही का योग भी 5000 ₹ से कम लग गया ।

सारांश

- तलपट खाताबही में खुले हुए खातों के शेषों को प्रदर्शित करने वाला सारांश है ।
- खातों की गणितीय शुद्धता की जांच करना, अशुद्धियों को ढूंढने में सहायता करना तथा अंतिम खाते बनाने में सहायता करना ही तलपट बनाने के मुख्य उद्धेश्य होते है ।
- तलपट दो विधियों से बनाया जाता है – योग विधि तथा शेष विधि ।
- लेखों में चार प्रकार की अशुद्धियां पायी जाती है – भूल की अशुद्धि, हिसाब की अशुद्धि, सिद्धान्त की अशुद्धि तथा क्षतिपूरक अशुद्धि ।
- भूल की, सिद्धान्त की तथा क्षतिपूरक अशुद्धियां तलपट के मिलान को प्रभावित नहीं करती है परन्तु कुछ हिसाब की अशुद्धियां तलपट के मिलान को प्रभावित करती है ।
- तलपट न मिलने पर जिस खाते को खोलकर तलपट मिलाया जाता है उसे उचंती खाता कहते है ।
- एक पक्षीय अशुद्धि का सुधार विवरण द्वारा तथा द्विपक्षीय अशुद्धि का सुधार जर्नल प्रविष्टि द्वारा किया जाता है ।

कठिन शब्द

- उचंती खाता (Suspense Account)
- तलपट (Trial Balance)
- भूल की अशुद्धियां (Error of Ommission)
- हिसाब की अशुद्धियां (Error of Commission)
- सिद्धान्त की अशुद्धियां (Error of Principal)
- क्षतिपूरक अशुद्धि (Compensatory Error)

अभ्यास प्रश्न

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multipe Choice Questions)

1. तलपट है–
   (अ) एक खाता (ब) सहायक बही
   (स) सूची (द) अंतिम खाता ( )

2. तलपट बनाया जाता है–
   (अ) खाता बही के खातों को एक जगह लिखने के लिए
   (ब) खाता बही में खुले खातों की संख्या देखने के लिए
   (स) लेखा पुस्तकों की गणितीय शुद्धता की जांच के लिए
   (द) सहायक बहियों से की गई खतौनी की जांच के लिए ( )

3 तलपट का नाम 'पक्ष' 1,000 ₹ से अधिक है, इसके कारण है–
   (अ) अ से प्राप्त 500 ₹ उसके खाते में 'नाम' कर दिये।
   (ब) क से प्राप्त 1,000 ₹ ख के खाते में 'जमा' कर दिये।
   (स) वेतन चुकाया 1,000 ₹ जिसे भवन खाते में लिख दिया।
   (द) हेमन्त को दिये 1,000 ₹ का लेखा बहियों में करने से छूट गया। ( )

4 रमेश से प्राप्त 25,000 ₹ उमेष के खाते में 'जमा' कर दिये। यह अशुद्धि है–
   (अ) सैद्धान्तिक (ब) हिसाब सम्बन्धी
   (स) भूल चूक सम्बन्धी (द) क्षति पूरक ( )

5. तलपट बनाते समय तलपट में शामिल न की जाने वाली मद है–
   (अ) उचंती खाता (ब) पूँजी खाता
   (स) अन्तिम स्टॉक खाता (द) प्रारम्भिक स्टॉक खाता ( )

6. तलपट का योग न मिलने पर खोले जाने वाले खाते को कहते है–
   (अ) व्यापार खाता (ब) उचंती खाता
   (स) लाभ हानि खाता (द) इनमें से कोई नहीं ( )

7. निम्नलिखित में सैद्धान्तिक अशुद्धि का उदाहरण है–
   (अ) लेखा पुस्तकों में श्याम को किये गये 500 ₹ के विक्रय को लिखना भूल जाना।
   (ब) लेखा पुस्तकों में श्याम को भुगतान किये गये 300 ₹ के लिए उसके खाते को 200 रू. से नाम कर देना।
   (स) फर्नीचर क्रय करने के व्यय 2,000 ₹ को मरम्मत खाते में लिख देना।
   (द) किसी एक ही सौदे को श्याम के खाते में दो बार चढ़ा देना । ( )

(मा. शि. बो. राज. 1981)

8. तलपट का मिलान प्रभावित नहीं होगा यदिः–
   (अ) सुगन के लेखें में 201 ₹ के सौदे को नाम पक्ष में दो बार लिख दिया।
   (ब) सुगन के खाते के जमा पक्ष में 400 ₹ अधिक लिखा गया और मगन के खाते में नाम पक्ष में 100 रू. के स्थान पर 500 ₹ लिखा गया।
   (स) सुगन के खाते में 201 ₹ का सौदा चढ़ाया जाना भूल से छूट गया
   (द) सुगन के लेखे के नाम पक्ष में 201 ₹ के स्थान पर 102 ₹ लिख दिया। ( )

(मा. शि. बो. राज. 1981)

9. तलपट के योगों में अन्तर रहेगा यदि –
   (अ) एक गोदाम निर्माण का लागत व्यय 1,200 ₹ मरम्मत खाते में लिख दिया।
   (ब) डूबट ऋण की राषि 750 ₹ की बजाय भूल से 650 ₹ खता दी।
   (स) अपलिखित डूबत. ऋण की प्राप्त राशि 250 ₹ ग्राहक के व्यक्तिगत खाते में जमा की गई।
   (द) एक लेनदार को दिये 560 ₹ को रोकड़ पुस्तक में लिखना भूल गये। ( )

(मा. शि. बो. राज. 1980)

10. रमेश को 150 ₹ का माल बेचा गया जिसका लेखा नहीं हुआ। उपर्युक्त में अशुद्धि हुई–
(अ) भूल–चूक अशुद्धि (ब) लेखे की अशुद्धि
(स) क्षतिपूरक अशुद्धि (द) सैद्वान्तिक अशुद्धि ( )
(मा. शि. बो. राज. 1979)

11. भवन निर्माण का व्यय भवन मरम्मत खाते में नाम लिख दिया, यह अशुद्धि होगी–
(अ) भूल की (ब) हिसाब की (स) सैद्धान्तिक (द) क्षति पूरक ( )
(मा. शि. बो. राज. 1985 पू)

12. तलपट के योग में 5000 ₹ का अन्तर होगा यदि–
(अ) यदि 5000 ₹ का विक्रय पुस्तक में लिखना भूल जाय।
(ब) वेतन चुकाया 2500 ₹ तथा मजदूरी खाते में लिख दिया
(स) राम से प्राप्त 2500 ₹ उसे नाम लिख दिये।
(द) अपलिखित डूबत ऋण वसूली 5000 ₹ ग्राहक के खाते में जमा कर दी। ( )

13. राम को 456 ₹ की बिक्री का लेखा क्रयबही में 564 ₹ से कर दिया गया तथा राम के खाते में 654 रूपये नामें (डेबिट) खता दिया गया । इन अशुदि के कारण तलपट के योग में अन्तर होगा
(अ) ₹ 1218 (ब) ₹ 1110
(स) ₹ 198 (द) ₹ 90 ( )
(मा.शि.बो.राज. 1996 पू.)

14. तलपट के योग में अन्तर रहेगा, यदि
(अ) फैक्ट्री भवन के विस्तार का व्यय मरम्मत खाते में नाम लिखा गया
(ब) एक ग्राहक से पनुः वसूल डुबतऋण की राशि उसके व्यक्तिगत खाते में जमा की गई ।
(स) एक देनदार को किये गये भुगतान का लेखा रोकड़ बही में तो कर दिया गया, परन्तु उसके खाते में खतौनी करना भूल गये ।
(द) मोटरकार खरीदने हेतु किया गया भुगतान मशीनरी खाते में नाम कर दिया गया । ( )
(मा.शि.बो.राज. 1996)

अति लघुउतरात्मक प्रश्न (Very Short Answer type Question)

1. तलपट बनाने की सर्वोतम विधि कौनसी है ?
2. तलपट किन बहियों की सहायता से तैयार किया जाता है?
3. सैद्धान्तिक अशुद्धि का एक उहारण दो ।
4. हिसाब की अशुद्धि का एक उदाहरण दो ।
5. उचंती खाता किसे कहते है ?
6. तलपट बनाने की विधियों के नाम लिखिये।
7. लेखा पुस्तकों की गणितीय शुद्धता की जाँच कैसे की जाती है ?
8. नाम शेष वाले किन्हीं दो वास्तविक खातों के नाम बताइये ?
9. जमा शेष वाले व्यक्तिगत खातों में से किन्हीं दो के नाम बताइये ?
10. तलपट बनाने से पहले ज्ञात हुई एक पक्षीय अशुद्धि को किस प्रकार सुधारा जाता है ।
11. उचंति खाते का जमा का शेष किसे कहते है ?
12. भूलचूक खाता क्यों बनाया जाता है ? (मा.शि. बो. राज. 1985 पू.)
13. तलपट पर प्रभाव डालने वाली किन्ही दो अशुद्धियों के उदाहरण दीजिये ? (मा.शि.बो.राज.1982पू.)
14. तलपट पर प्रभाव नहीं डालने वाली किन्ही दो अशुद्धियों के उदाहरण दीजिये? (मा.शि.बो.राज.1982पू.)
15. तलपट में दिये गये उचन्ती खाते के जमा (क्रेडिट) के शेष को अन्तिम खातों में कहां और किस पक्ष में दिखायेंगे। (मा.शि.बो.राज.1998 संशोधित)
16. गतवर्ष में अन्तिम स्टॉक का मूल्य 4,000 ₹ से कम लिखा गया था। चालू वर्ष में इसके सुधार हेतु जर्नल प्रविष्टि दीजिए। (मा.शि.बो.राज.1996पू.)
17. व्यापार के स्वामी ने 200 ₹ का माल निजी प्रयोग हेतु लिया। जिसका लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया। आवश्यक सुधार प्रविष्टि कीजिये । (मा.शि.बो.राज.1988पू.).

लघु उतरात्मक प्रश्न (Short Answer Type Questions)

1. तलपट को न प्रभावित करने वाली अशुद्धियों के दो उदहारण दो।
2. तलपट किस समय बनाया जाता है?
3. निम्नलिखित खातों के शेषों को तलपट बनाते समय राशि के 'नाम' या 'जमा' वाले खाने में से किसमें दिखाया जायेगा–
(अ) बैंक अधिविकर्ष (ब) क्रय वापसी खाता (स) आहरण खाता (द) प्रारम्भिक रहतिया (य) बीमा दावा
4. सैद्धान्तिक अशुद्धि किसे कहते है ?
5. क्षतिपूरक अशुद्वि किसे कहते है ?
6. तलपट बनाने के कोई दो उद्धेश्य बताइये।
7. शेषों द्वारा तलपट बनाने से क्या लाभ है।
8. योगों द्वारा तलपट बनाने से क्या लाभ है।
9. योग विधि से बनने वाले तलपट तथा शेष विधि से बनने वाले तलपट में क्या अन्तर है ?
10. क्षतिपूरक अशुद्धि तथा हिसाब की अशुद्धि में क्या अन्तर है ?
11. शशि ने 31 मार्च 2012 को प्रारंम्भिक तलपट तैयार किया। यह भी मालूम पड़ा कि निम्नलिखित बातों को ध्यान में नहीं रखा गया– (मा.शि.बो.राज. 1980 संशोधन)
(1) बीमें के 500 ₹ पूर्वदत्त थें ।
(2) अदत्त वेतन के 500 ₹ थे।
(3) किराये के 200 ₹ प्राप्त होने है।
उपरोक्त की सुधार प्रविष्टियां कीजिये।
12. लेखा पुस्तकें बन्द करने के पूर्व निम्नलिखित अशुद्धियां पायी गयी :–
(अ) गोपाल को 500 ₹ का माल बेचा, परन्तु उसका खाता इस राशि से जमा कर दिया गया।
(ब) क्रय बही योग 200 ₹ से कम लग गया।
उपर्युक्त अशुद्धियों का सुधार किस प्रकार किया जायेगा ? (मा.शि.बो.राज 1987)
13. एक व्यापारी का तलपट 125 ₹ का अन्तर प्रकट करता है, जिसको भूल–चूक खाते के नाम पक्ष पर लिख दिया गया। बाद में अग्रलिखित अशुद्धियां पायी गयी–
(1) विक्रय वापसी बही का जोड़ 55 ₹ क्रय वापसी खाते के जमा पक्ष पर खता दिया गया।
(2) जयराम के खाते के जमा पक्ष का योग 10 ₹ से अधिक लगा दिया गया।
(3) रामेश्वर के 15 ₹ डूबत ऋण के डूबत ऋण खाते में नहीं खताये गये।
(4) रवि से प्राप्त 14 ₹ रोकड़ पुस्तक में ठीक लिख दिये गये परन्तु व्यक्तिगत खाते में केवल 4 ₹ ही खताये गये।
भूल–चूक खाता बनाइये।
14. एक व्यापारी ने तलपट के अन्तर को भूलचूक खाते में लिख दिया। बाद में निम्नलिखित अशुद्धियां पायी गयी–
(1) क्रय बही का योग 500 ₹ से कम लग गया।
(2) रमेश से प्राप्त 1000 ₹ की राशि राजेन्द्र के खाते में जमा कर दी गयी।
(3) महेश से 2000 ₹ के क्रय को उसके व्यक्तिगत खाते के नाम पक्ष पर लिख दिया गया। भूलचूक खाता बनाइए तथा उसका प्रारम्भिक शेष ज्ञात कीजिये।
15. सैद्धान्तिक अशुद्धियों के चार उदाहरण दीजिये।
16. क्षतिपूरक अशुद्धि को उदाहरण सहित समझाइये।
17. द्विपक्षीय अशुद्धि से आपका क्या आशय है ? ऐसी दो अशुद्धियें बतलाइये।
18. एक पक्षीय अशुद्धि तथा द्विपक्षीय अशुद्वि में क्या अन्तर है ?
19. हिसाब की अशुद्धियों के कोई चार उदाहरण बतलाइये।
20. लेखों में विद्यमान अशुद्धियों में सुधार किस प्रकार किया जाता है ?

निबंधात्मक प्रश्न (Essay Type Questions)

1. तलपट के मिलान को प्रभावित न करने वाली अशुद्धि को किस प्रकार सुधारा जाता है ?
2. क्या तलपट का मिलान लेखों की गणितीय शुद्धता का अकाट्य प्रमाण है ?
3. तलपट के न मिलने पर उसे मिलाने के लिए कौन–कौन से कदम उठाये जाते है ?
4. तलपट किसे कहते है ? इसकी परिभाषा देते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिये।
5. तलपट के मिलान को प्रभावित करने वाली अशुद्धियों को बतलाइये।
6. उचंती खाता क्या है? इसे क्यों खोला जाता है? व्यापारी के लिए इसका क्या महत्व है?

7. तलपट बनाने की विभिन्न विधियों को समझाइये।

आंकिक प्रश्न (Numerical Question)

1. निम्नलिखित खातों की सहायता से योग विधि और शेष विधि से तलपट बनाइये (Prepare Trial Balance by Total Method and Balance Method on the basis of the Accounts given below):

Cash Account

		₹			₹
	To Capital A/c	50,000		By Capital A/c	12,000
	To Sales A/c	20,000		By Purchases A/c	26,000
	To Ramjan's A/c	6,000		By Wages A/c	5,000
				By Salaries A/c	3,000
				By Hari's A/c	19,000

Purchases Account

	To Cash A/c	26,000		By Charity A/c	1,500
	To Hari's A/c	20,000			

Sales Account

				By Cash A/c	20,000
				By Ramjan's A/c	16,000

Ramjan's Account

	To Sales A/c	16,000		By Cash A/c	6,000
				By Discount A/c	500

Hari's Account

	To Cash A/c	19,000		By Purchases A/c	20,000
	To Discount A/c	1,000			

Capital Account

	To Cash A/c	12,000		By Cash A/c	50,000

Wages Account

	To Cash A/c	5,000			

Salary Account

	To Cash A/c	3,000			

Discount Account

	To Ramjan's A/c	500		By Hari's A/c	1,000

Charity Account

	To Purchases A/c	1,500			

(उतरः तलपट का योग–योग विधि 1,80,000 रू., शेष विधि 74,500)

2. अशोक कुमार की खाता बही के खातों के दोनों पक्षों के योग 31st मार्च 2011 को निम्नलिखित प्रकार से थे। इनसे शेष विधि से तलपट बनाइये।

The totals of both the sides of ledger accounts of Ashok Kumar on 31st March 2011 were as follows. Prepare Trial Balance by balance method.

S.No.	Name of Ledger Account	L.F.	Amount (₹)	
			Debit	Credit
1	रोकड़ खाता (Cash A/c)		40,000	30,600
2	पूँजी खाता (Capital A/c)		-	1,14,000
3	मशीनरी खाता (Machinery A/c)		50,000	-
4	क्रय खाता (Purchases A/c)		80,000	8,000
5	आहरण खाता (Drawing A/c)		9,000	-
6	कमल खाता (Kamal's A/c)		18,000	7,000
7	मनीष खाता (Manish's A/c)		35,000	45,000

8	नरेन्द्र खाता (Narendra's A/c)		40,000	12,000
9	अमर खाता (Amar's A/c)		60,000	1,00,000
10	महेश खाता (Mahesh's A/c)		50,000	2,000
11	बैंक खाता (Bank A/c)		30,000	10,000
12	भवन खाता (Building A/c)		60,000	-
13	बट्टा खाता (Discount A/c)		3,000	2,500
14	कमीशन खाता (Commission A/c)		-	2,300
15	ब्याज खाता (Interest A/c)		1,900	-
16	ऋण खाता (Loan's A/c)		-	20,000
17	विक्रय खाता (Sales A/c)		-	1,30,000
18	विक्रय वापसी खाता (Sales Return A/c)		3,000	-
19	वेतन खाता (Salary A/c)		2,500	-
20	उमा खाता (Uma's A/c)		1,000	-
			4,83,400	4,83,400

(उत्तरः तलपट का योग 3,16,300 ₹)

3. खाता बही के निम्नलिखित विभिन्न खातों के शेषों से व्यापारी का तलपट 31 मार्च 2011 को बनाइये–
Prepare trial Balance as on 31st March 2011 from the following balance of ledger accounts: नकद (Cash) ₹ 55,000, पूँजी (Capital) ₹ 80,000, क्रय (Purchases) ₹ 65,000, विक्रय (Sales) ₹ 1,20,000, बट्टा दिया (Discount Allowed) ₹ 500, देनदार (Debtors) ₹ 31,100, बैंक शेष (Bank Balance) ₹ 37,600, वेतन(Salary) ₹ 6,000, ब्याज (डेबिट)(Interenet Dr.) ₹ 1,800, किराया (Rent) ₹ 2,000, देय बिल (Bills Payable) 34,000, प्राप्त बिल (Bills Receivable) 35,000, भवन(Building) ₹ 70,000.
(उत्तरः तलपट का योग 3,04,000 ₹, Suspense A/cCr. ₹ 70,000)

4. निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर तलपट तैयार कीजिये (Prepare Trial Balance from the following information):

	₹		₹
पूंजी खाता (Capital A/c)	3,00,000	यात्रा खर्च खाता (Travelling Exp. A/c)	6,000
आहरण खाता (Drawings A/c)	25,000	फुटकर व्यय खाता (Misc. Exp. A/c)	44,000
किराया खाता (Rent A/c)	12,000	भवन खाता (Building A/c)	1,00,000
विक्रय खाता (Sales A/c)	5,00,000	उपस्कर खाता (Furniture A/c)	18,000
विक्रय वापसी खाता (Sales Return A/c)	20,000	देनदार खाता (Debtors A/c)	1,60,000
क्रय खाता (Purchases A/c)	2,80,000	लेनदार खाता (Creditors A/c)	1,15,000
क्रय वापसी खाता (Purahses Return A/c)	30,000	देय बिल खाता (B/P A/c)	30,000
कमीशन खाता 'जमा' (Comm. A/s 'Cr')	10,000	प्राप्य बिल खाता (B/R A/c)	75,000
वेतन खाता (Salary A/c)	24,000	बीमा दावा खाता (Insurance Claim A/c)	24,000
मजदूरी खाता (Wages A/c)	15,000		

(उतर : तलपट का योग 10,09,000 ₹ Suspense A/cDr. ₹ 2,30,000)

5. निम्नलिखित सूचनाओं से तलपट बनाइये (Prepare Trial Balance from the following information):-

	₹		₹
प्रारम्भिक रहतिया खाता (Opening Stock A/c)	50,000	मूल्य ह्रास खाता (Depreciation A/c)	48,000
क्रय खाता (Purchases A/c)	8,00,000	वेतन खाता (Salaries A/c)	3,52,000
क्रय वापसी खाता (Purchases Return A/c)	35,000	मुद्रण एवं स्टेशनरी खाता	11,000
विक्रय खाता (Sales A/c)	16,00,000	(Printing and Stationary A/c)	
विक्रय वापसी खाता (Sales Return A/c)		विज्ञापन खाता(Advertisement A/c)	
मजदूरी खाता (Wages A/c)	1,20,000	किराया, कर एवं दरें खाता	58,000
क्रय पर गाड़ी भाड़ा खाता (Carriage on Purchases	2,56,000	(Rent, Rates & Taxes A/c)	56,000
A/c)	18,000	देय विपत्र खाता (Bills Payable A/c)	

विक्रय पर गाड़ी भाड़ा खाता (Carriage on Sales		प्राप्त विपत्र खाता(B/R A/c)	72,000
A/c)	32,000	देनदार खाता(Debtors A/c)	87,000
चुंगी खाता (Octori A/c)		लेनदार खाता(Creditor A/c)	1,60,000
इंधन, तेल, शक्ति, पानी आदि खाता	48,000	बैंक अधिविकर्ष खाता (Bank Overdraft	80,000
(Fuel, Oil, Power & Water etc. A/c)	72,000	A/c)	35,000
दावा प्राप्त खाता (Claim Received A/c)		रोकड़ खाता (Cash A/c)	
बीमा प्रीमियम खाता (Insurance Premium A/c)	1,50,000	ख्याति खाता (Goodwill A/c)	16,000
बट्टा दिया खाता (Discount Allowed A/c)	16,000	व्यापारिक चिन्ह खाता (Trade Mark	40,000
बट्टा प्राप्त खाता (Discount Received A/c)	1,38,000	A/c)	25,000
भवन बेचने से हानि खाता (Loss on Sale of	23,000	आहरण खाता (Drawings A/c)	
Building A/c)	17,000	पूँजी खाता (Capital A/c)	1,50,000
		सामान्य संचय खाता (General Reserve	5,00,000
		A/c)	50,000
		अहमद से ऋण (Loan from Ahmed)	
		अल्बर्ट को ऋण (Loan to Albert)	1,00,000
			75,000

(उत्तर : तलपट का योग 26,45,000 ₹)

6. एक अर्द्ध कुशल लेखाकार द्वारा बनाया गया तलपट नीचे दिया गया है। क्या यह सही है? अगर सही नहीं है तो आप वापस सही बनाइये।

(A Trial Balance is prepared by an inexperienced Accountant. Is it correct ? If it is not correct prepare correct Trial Balance.)

Name of Account	Debit ₹	Credit ₹
पूंजी खाता (Capital A/c)	89,500	-
आहरण खाता (Drawing A/c)	-	10,500
प्रारम्भिक रहतिया खाता (Opening Stock A/c)	37,250	-
क्रय खाता (Purchases A/c)	2,31,000	-
मजदूरी एवं वेतन खाता (Wages and Salaries A/c)	62,050	-
विक्रय खाता (Sales A/c)	-	3,94,250
रोशनी एवं ऊष्णता खाता (Lighting & Heating A/c)	31,00	-
मषीनरी खाता (Machinery A/c)	36,000	-
विक्रय पर भाड़ा खाता (Carriage Outward A/c)	-	2,300
विक्रय वापसी खाता (Returns Inward A/c)	1,050	-
क्रय वापसी खाता (Returns Outward A/c)	-	2,900
कमीशन प्राप्त खाता (Commission Received A/c)	3,500	-
बट्टा दिया खाता (Discount Allowed A/c)	2,850	-
बट्टा प्राप्त खाता (Discount Received A/c)	-	3,150
किराया व दर खाता (Rent and Rates A/c)	11,150	-
मोटर कार खाता (Motor Car A/c)	14,750	-
हस्तस्थ रोकड़ खाता (Cash in hand A/c)	1,100	-
लेनदार खाता (Creditors A/c)	49,250	-
देनदार खाता (Debtors A/c)	-	1,39,200
अधिविकर्ष खाता (Over draft A/c)	9,750	-

(उत्तर : तलपट का योग 5,52,300 ₹)

7. नीचे दिये गये गलत तलपट से 31 मार्च 2011 का सही तलपट बनाइये–

(Prepare correct Trial Balance as on 31st March 2011 from the following incorrect Trial Balance).

Name of Account	Debit ₹	Credit ₹
क्रय खाता (Purchases A/c)	65,000	-
विक्रय खाता (Sales A/c)	-	1,05,000
क्रय वापसी खाता(Purchases Return A/c)	6,000	-
विक्रय वापसी खाता(Sales Return A/c)	-	7,000
प्रारम्भिक रहतिया खाता (Opening Stock A/c)	35,000	-
व्यय खाता (Expenses A/c)	-	25,000
बट्टा प्राप्त खाता (Discount Received A/c)	7,000	-
बैंक शेष (Bank Balance)		
मशीनरी खाता (Machinery A/c)	10,000	-
देनदार खाता (Debtors A/c)	55,000	-
लेनदार खाता (Creditors A/c)	-	85,000
पूंजी खाता (Capital A/c)	-	35,000
बैंक ऋण खाता (Bank Loan A/c)	99,000	-
	25,000	-
	3,02,000	3,02,000

(उत्तर : तलपट का योग 2,82,000 ₹ Suspense A/cCr. ₹ 5,000)

8. तलपट बनाते समय एक लेखापाल को पता लगा कि उसके नाम पक्ष का योग 45 ₹ से कम है। तलपट बनाने के बाद निम्नलिखित अशुद्धियो का पता चला। उनको सुधारने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए तथा उचन्ती खाता बनाइए। (While preparing the Trial Balance, an accountant found that the total of debit side is short by ₹ 45 The Following errors were detected after preparing the Trial Balance. Give the Journal entries to rectify them and prepare Suspense Account.)

(1) 194 ₹ जमा का लेखा एक व्यक्तिगत खाते में 149 ₹ से नाम लिखा गया।

(A credit entry for ₹ 194 was written on debit side as ₹ 149 in a Personal Account.)

(2) फर्नीचर पर अपलिखित किये गये 190 ₹ को ह्रास खाते में नहीं खताया गया।

(₹ 190 written off as depreciation on furniture was not posted to Depreaciation Account.)

(3) 3000 ₹ का फर्नीचर क्रय किया जो गलती से क्रय खाते में खता दिया गया।

(Furniture purchases for ₹ 3000 was posted to Purchases Account by mistake.)

(4) 74 ₹ बट्टा, जो एक ग्राहक को दिया था, गलती से उसके खाते में 47 ₹ से जमा किया गया।

(Discount ₹ 74 allowed to a customer was wrongly credited to his account for ₹ 47.)

(5) विक्रय वापसी पुस्तक का योग 18 ₹ से कम लगाया गया।

(Total of the Sales Return Book was undercast by ₹ 18.)

(6) 103 ₹ का विक्रय का लेखा गलती से विक्रय खाते में 310 ₹ लिखा गया।

(A sale for ₹ 103 was posted by mistake as ₹ 310 in the Sales Account.)

(मा.शि.बो. राज. 1993)

(उत्तरः– उचन्ती खाते का प्रारम्भिक शेष 45 ₹)

9. तलपट बनाने के बाद निम्नलिखित अशुद्धियां ज्ञात की गई । इनको सुधारने के लिए जर्नल प्रविष्टियां दीजिए तथा उचन्ती खाता बनाइए। (The following errors were detected after preparing Trial Balance. Give Journal entries to rectify them and prepare suspense account).

(1) रमेश से प्राप्त 750 ₹ की राशि उसके खाते में 570 ₹ से नाम कर दी गई।

(₹ 750 recevied from Ramesh have been debited to his account as ₹ 570.)

(2) मुकेश से 2000 ₹ का माल खरीदा, जिसका लेखा गलती से विक्रय पुस्तक में कर दिया गया।

(Purchased goods from Mukesh for ₹ 2000 which was wrongly entered in Sales Book.)

(3) निजी यात्रा हेतु निकाले गये 500 ₹ यात्रा व्यय खाते में लिख दिये गये।

(₹ 500 withdrawn for personal travelling were posted to Travelling Expenses Account.)

(4) राम से 800 ₹ ऋण के सम्बन्ध में प्राप्त हुए, जो कि पूर्व में डूबत ऋण मानकर अपलिखित कर दिये गये थे। इस राशि को उसके व्यक्तिगत खाते में जमा कर दिया गया।

(Received ₹ 800 From Ram against Debt which was previously written off as Bad debt. This amount was credited to his personal account.)

(5) मोहन से 2000 ₹ का प्राप्य बिल प्राप्त किया जिसका लेखा देय विपत्र पुस्तक में कर दिया गया ।

(A Bills Receivable of ₹ 2000 Received from Mohan, was recorded in Bills Payable Book.)

(6) विक्रय वापसी बही का योग 2500 ₹ के स्थान पर 5200 ₹ आगे ले जाया गया।

(The total of the Sales Return Book ₹ 2500 was Carried forward as ₹ 5200.)

(उत्तर : उचन्ती खाते का प्रारम्भिक जमा शेष 4,020 ₹) (मा.शि.बो. राज 1997)

10. तलपट बनाने के बाद निम्नलिखित अशुद्धियां ज्ञात की गयीं। इनको सुधारने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां दीजिए। (Following errors were detected after preparing Trial Balance. Give necessary journarl entries to rectify them.)

(1) विक्रय बही का योग 500 ₹ से अधिक लगाया गया।

(Total of Sales Book was overcast by ₹ 500.)

(2) राम से प्राप्त 1,000 ₹ उसके खाते में 100 ₹ से खता दिये।

(₹ 1,000 received from Ram was posted to his account by ₹ 100.)

(3) जेड ने 400 ₹ का माल लौटाया, जिसे पुस्तकों में लिखना भूल गये।

(Goods of ₹ 400 returned by Z was omitted to be recoreded in the books.)

(4) एक्स को 650 ₹ का माल लौटाया गया, जिसे विक्रय वापसी बही में 560 ₹ लिख दिया।

(Goods of ₹ 650 returned to X was entered in the Sales Return Book by ₹ 560.)

(5) 1200 ₹ के उधार क्रय का लेखा विक्रय बही में कर दिया तथा विक्रेता के खाते को 1,200 ₹ से जमा किया।

(Credit purchases of ₹ 1200 was recorded in the Sales Book and the Vendor's Account was credited by ₹ 1,200.)

(6) मजदूरी 500 ₹ दी, जिसे वेतन खाते में 50 ₹ से लिख दिया।

(Wages paid ₹ 500, which was posted in the Salaries Account by ₹ 50.) (मा.शि.बो.राज. 1997पू.)

11. 31 मार्च, 2011 को एक मुनीम ने तलपट बनाते समय अन्तर पाया, जिसे उसने उचन्ती खाते में डाल दिया। बाद में उसने निम्नलिखित अशुद्धियों को खोज निकाला। (On 31st March, 2011, a book-keeper finds the difference in the Trial Balance and he puts it in the Suspense Account Later on he detects the following errors:

(1) ए से प्राप्त 50,000 ₹ उसके खाते में नाम पक्ष में खता दिये गये।

(₹ 50,000 received from A was posted to the debit of the Account.)

(2) 20,000 ₹ की क्रय–वापसी को क्रय खाते के नाम पक्ष में खता दिया गया।

(₹ 20,000 Being purchases return were posted to the debit of the Purchase Account.)

(3) प्राप्त बट्टे 8,000 ₹ को बट्टे खाते के नाम पक्ष में खता दिया।

(Discount of ₹ 8,000 received were posted to the debit of Discount Account.)

(4) मोटरकार की मरम्मत के लिए दिये गये 9,060 ₹ को मोटरकार खाते में 7,060 ₹ से नाम कर दिया गया।

(₹ 9'060 paid for repairs of Motor Car was debited to Motor Car Account as ₹ 7,060.)

(5) बी को दिये गये 40,000 ₹ को ए के खाते मे नाम कर दिया।

(₹ 40,000 paid to B was debited to A's Account.)

उपर्युक्त त्रुटियों को सुधारने के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए तथा यह मानते हुए कि उपर्युक्त त्रुटियों को सुधारने के पश्चात् उचन्ती खाता बन्द हो गया, उचन्ती खाता बनाकर 31 मार्च, 2011 को उचन्ती खाते में डाली गई राशि ज्ञात कीजिए। (Give Journal Entries to rectify the above errors and ascertain the amount transferred to Suspense Account on 31st March, 2011 by Showing the Suspense Account, assuming that the Suspense Account is balanced after the above corrections.) *(C.A. Foundation , May- 2001)*

(उत्तर :– उचन्ती खाते का प्रारम्भिक जमा का शेष 1,54,000)

12. एक लेखापाल ने तलपट के अंतर को भूल–चूक खाते में स्थानान्तरित कर दिया। बाद में निम्नलिखित अशुद्धियां ज्ञात की गयी।

(An Accountant transferred the difference of Trial Balance to Suspense Account. Subsequently the following errors were discovered)

(1) फर्नीचर की मरम्मत पर 345 ₹ खर्च किये, परन्तु फर्नीचर खाते के नाम पक्ष में 205 ₹ खतौनी की गयी।

(₹ 345 were spent on repairs of Furniture but ₹ 205 were posted to the debit side of Furniture Account.)

(2) क्रय बही का योग 125 ₹ विक्रय खाते के जमा पक्ष में लिख दिया गया।

(Total of Purchases Book ₹ 125 was posted to the credit side of Sales Account.)

(3) मशीन पर ह्रास 350 ₹ ह्रास खाते में नहीं खताया गया।

(Depreciation on machinery amounting ₹ 350 was not posted to Depreciation Account.)

(4) गणेश ने 500 ₹ का भुगतान किया, परन्तु इसे सुरेश के खाते में जमा कर दिया गया।

(Ganesh was paid ₹ 500 but it was credited to Suresh's Account.)

(5) हरि से 1,000 ₹ का माल खरीदा, उसका लेखा विक्रय पुस्तक में कर दिया गया।

(Purchased goods from Hari for ₹ 1000 but it was recorded in Sales Books.)

(6) एक प्राप्त विपत्र 2,000 ₹ का अनादरित हो गया जिसे बैंक ने वापस कर दिया। इसका लेखा प्राप्य विपत्र खाते में नाम तथा बैंक खाते में जमा कर दिया।

(A B/R of ₹ 2,000 was dishonoured which was returned by the Bank. It was debited to B/R Account and credited to Bank Account.)

(7) उधार फर्नीचर विक्रय 1,000 ₹ का लेखा, विक्रय बही में कर दिया गया।

जर्नल में सुधार की प्रविष्टियां दीजिए।

(Credit Sale of Furniture ₹ 1,000 was recorded in Sales Book.)

(Pass Rectification enteries in the Journal.) (मा.शि.बो. राज. 1995पू.)

13. एक व्यापारी को लेखा–पुस्तकें बन्द करने से पूर्व निम्नलिखित अशुद्धियों का पता लगाः–

(A trader located the following errors before closing the books of accounts):

(1) कमल को 1200 ₹ की बिक्री उसके खाते में 2100 ₹ खता दी गई।

(Sales of ₹ 1200 to Kamal was posted as ₹ 2100 in his account.)

(2) क्रय पुस्तक का जोड़ 1000 ₹ कम लगाया गया।
(Purchases Book was undercast by ₹ 1000.)

(3) खान ब्रादर्स को दिया गया बट्टा 100 ₹ का कोई लेखा, लेखा–पुस्तकों में नहीं हुआ है।
(Discount allowed to Khan Bros. ₹ 100 was not recorded in the Books of Accounts.)

(4) दया राम से खरीदा गया माल 700 ₹ का लेखा दयाल राम के खाते में कर दिया गया।
(Goods purchased from Daya Ram for ₹ 700 was recorded in the account of Dayal Ram.)

(5) 1500 ₹ का अनादरित प्राप्य विपत्र रमेश को लौटाया गया, किन्तु इसका लेखा देय बिल बही में कर दिया गया।
(A dishonoured Bill Receivable of ₹ 1500 was returned to Ramesh, but it was recorded in Bill Payable Book.)

उपर्युक्त अशुद्धियों की सुधार प्रविष्टियों उचित बहियों में कीजिये तथा प्रत्येंक अशुद्धि का तलपट के योग पर प्रभाव बताईए।
(Pass the rectification entries in proper books for the above errors and state the effect of each error on the total of Trial Balance.)

(मा.शि.बो. राज 1996 पू.)

(उत्तर :– प्रविष्टि संख्या 1 तलपट का जमा पक्ष का योग 900 ₹ से कम या नाम पक्ष का योग 900 ₹ से अधिक था। प्रविष्टि संख्या 2 तलपट का नाम पक्ष का योग 1000 ₹ से कम या जमा पक्ष का योग 1000 ₹ से अधिक था। प्रविष्टि संख्या 3,4 व 5 का तलपट के योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उत्तर

स्वयं जांच–1

(i) असत्य (ii) असत्य (iii) असत्य (iv) असत्य (v) असत्य
(vi) असत्य (vii) सत्य (viii) असत्य (ix) असत्य (x) असत्य

स्वयं जांच–2

(i) गणितीय (ii) जमा, नाम (iii) अंक परिवर्तन (iv) उचंती खाता (v) नाम
(vi) अशुद्ध (vii) हिसाब की (viii) उचंती खाते (ix) द्विपक्षीय (x) नहीं करती

स्वयं जांच–3

(i) असत्य (ii) असत्य (iii) सत्य (iv) असत्य (v) असत्य
(vi) असत्य (vii) सत्य (viii) असत्य (ix) असत्य (x) असत्य

स्वयं जांच–4

(i) नाम (ii) जमा (iii) जमा (iv) नाम (v) जमा (vi) नाम
(vii) जमा या नाम (viii) जमा (ix) नाम (x) नाम (xi) जमा या नाम (xii) जमा

स्वयं जांच–5

(i) सिद्धान्त की अशुद्धि (ii) सिद्धान्त की अशुद्धि (iii) हिसाब की अशुद्धि (iv) हिसाब की अशुद्धि
(v) भूल की अशुद्धि (vi) हिसाब की अशुद्धि (vii) हिसाब की अशुद्धि (viii) क्षतिपूरक अशुद्धि

बहुचयनात्मक प्रश्न

(i) स (ii) स (iii) अ (iv) ब (v) स (vi) ब (vii) स (viii) ब
(ix) ब (x) अ (xi) स (xii) स (xiii) अ (xiv) स